https://www.facebook.com/palpalrajasthannews/ instagram.com/palpalrajasthannews https://www.youtube.com/@PalpalRajasthan/ palpalrajasthan8@gmail.com

प्रदेश का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक

पल पल राजस्थान

वर्ष : 4 | अंक : 65 | RAJHIN/2021/81855 | उदयपुर, सोमवार, 14 अप्रैल 2025 | कुल पृष्ठ : 4 | मूल्य : 5 रु. | हर पल की खबर

ANANTA INSTITUTE OF MEDICAL SCIENCES & RESEARCH CENTRE
एक विश्वास बेहतर जिन्दगी का
ANANTA HOSPITAL

पश्चिम बंगाल में सांप्रदायिक हिंसा

सैंकड़ों लोगों का पलायन

केंद्रीय बलों की मदद से भागीरथी नदी पार कर मालदा में ली शरण

■ सुती, धुलियान, जंगीपुर और शमशेरगंज में वक्फ कानून विरोधियों ने हिन्दुओं की दुकानों, होटलों और घरों को जलाया

■ महिलाओं और लड़कियों के साथ छेड़छाड़, घर छोड़ने की दी गई धमकी

कोलकाता पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले में सांप्रदायिक हिसा से प्रभावित सैकड़ों लोगों ने भागीरथी नदी पार कर मालदा में शरण ली है। स्थानीय प्रशासन ने दंगा प्रभावित परिवारों के लिए आश्रय और भोजन की व्यवस्था की है तथा उन्हें स्कूलों में शरण दी है। साथ ही मुर्शिदाबाद से नावों से आने वालों की सहायता के लिए नदी तट पर स्वयंसेवकों को तैनात किया है। मुस्लिम बहुल मुर्शिदाबाद जिले के सुती, धुलियान, जंगीपुर और शमशेरगंज समेत कई इलाकों में वक्फ बिल के खिलाफ हिसक प्रदर्शन हुए, जो सांप्रदायिक हिसा में बदल गये। इसके कारण प्रभावित लोगों का पलायन शुरू हो गया। मीडिया में आई तस्वीरों में मुर्शिदाबाद के इन इलाकों में दुकानें, होटल और घर जलते हुए दिखाई दे रहे है। अपने परिवार के चार अन्य सदस्यों के साथ मुर्शिदाबाद से पलायन करने वाली एक युवती ने बताया, ''हम धुलियान के मंदिरपाड़ा इलाके से इसलिए भागे क्योंकि हमारे घरों में आग लगा दी गई थी। महिलाओं और लड़कियों के साथ बाहरी लोगों तथा कुछ स्थानीय लोगों के एक समूह ने छेड़छाड़ की थी। महिला ने दावा किया, उन्होंने बम फेंके, हमें वक्फ (संशोधन) अधिनियम के लिए दोषी ठहराया और हमें तुरंत अपने घर छोड़ने के लिए कहा। उन्होंने हमारे घर के पुरुषों को पीटा। हम अपनी जान को लेकर डरे हुए थे और केंद्रीय बलों की मदद से अपने घरों से भागे। एक अन्य बुजुर्ग महिला ने कहा, ''हमने हमलावरों से हाथ जोड़कर माफी मांगी, जबकि हमने कोई गलत काम नहीं किया था। हथियार लहराते हुए हमलावरों ने बहुत अत्याचार किए। मै, मेरा बेटा, बहू और पोता अपना कुछ सामान लेकर भाग निकले। नहीं तो हम मारे जाते। राज्य विधानसभा में विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी ने दावा किया कि हिसा के बाद धुलियान से 400 लोग पलायन करने को मजबूर हुए है। उन्होंने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''धार्मिक कट्टरपंथियों के डर के कारण मुर्शिदाबाद से 400 से अधिक हिदू नदी पार भागने और मालदा में शरण लेने के लिए मजबूर हुए है।''

भाजपा नेता अधिकारी ने कहा, ''टीएमसी की तुष्टीकरण की राजनीति ने कट्टरपंथी तत्वों को बढावा दिया है। हिदुओं को शिकार बनाया जा रहा है, हमारे लोग अपनी ही जमीन पर जान बचाने के लिए भाग रहे है! कानून-व्यवस्था की इतनी खराब स्थिति पर राज्य सरकार को शर्म आनी चाहिए। उन्होंने कहा, ''मै जिले में तैनात केंद्रीय अर्धसैनिक बलों, राज्य पुलिस और जिला प्रशासन से आग्रह करता हूं कि वे इन विस्थापित हिदुओं की सुरक्षित वापसी सुनिश्चित करें और इस 'जिहादी आतंक' से उनके जीवन की रक्षा करें। देवनापुर-सोवापुर ग्राम पंचायत की प्रधान सुलेखा चौधरी ने बताया कि शुरू में कुछ लोग (हिसा प्रभावित मुर्शिदाबाद से) नावों में आ रहे थे, लेकिन शुक्रवार दोपहर से इस संख्या में वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा, ''शनिवार रात तक आने वाले लोगों की संख्या 500 को पार कर गई, जिनमें से अधिकतर महिलाएं थीं। चौधरी ने बताया कि इन लोगों को इलाके के स्कूलों में आश्रय दिया गया है और उनके लिए भोजन की व्यवस्था की गई है।
वैष्णवनगर से तृणमूल कांग्रेस की विधायक चंदना सरकार ने बताया कि मुर्शिदाबाद से नावों में आने वालों की सहायता के लिए नदी किनारे 20 युवकों को तैनात किया गया है। विधायक ने बताया कि उन्हें स्कूलों में आश्रय दिया गया है और उनके लिए व्यवस्था की गई है। मालदा में एक स्वयंसेवी संगठन के प्रतिनिधि ने बताया कि शनिवार से अब तक धुलियान, सुती और जंगीपुर जैसे इलाकों से दंगा प्रभावित लोगों को लेकर करीब 40-50 नावें आ चुकी है और कलियाचक-3 ब्लॉक के पल्लरपुर गांव में जरूरी इंतजाम किए गए है। उन्होंने कहा, वे यहां सुरक्षित है।

हिंसा में 12 और गिरफ्तार

कोलकाता पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले में वक्फ बिल के खिलाफ हुए हिसक विरोध प्रदर्शन के दौरान तीन लोगों की मौत के सिलसिले में 12 और लोगों को गिरफ्तार किया गया है। मुस्लिम बहुल जिले में कही से भी हिसा की कोई नयी घटना सामने नही आई और सुरक्षा बल कड़ी निगरानी कर रहे है। जिले के सुती, धुलियान, शमशेरगंज और जंगीपुर इलाकों में स्थिति शांतिपूर्ण है। रातभर छापेमारी जारी रही और 12 और लोगों को गिरफ्तार किया गया। अब तक 150 लोग गिरफ्तार हुए हैं। हिसा प्रभावित इलाकों में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 163 के तहत निषेधाज्ञा लागू कर दी गई है।

नए वक्फ कानून के खिलाफ भड़काई जा रही हिंसा : योगी

लखनऊ उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विपक्षी दलों खासतौर पर कांग्रेस, सपा और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली तृणमूल कांग्रेस पर तीखा प्रहार करते हुए रविवार को कहा कि जब से वक्फ (संशोधन) विधेयक पारित हुआ और कार्रवाई हो रही है तभी से इसके खिलाफ हिसा भड़काई जा रही है। रविवार को यहां राज्य की राजधानी लखनऊ में भागीदारी भवन में भारत रत्न डॉ. भीमराव आंबेडकर सम्मान अभियान की प्रदेश कार्यशाला की शुरुआत करने के बाद लोगों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा, ''आश्चर्य होता है कि यह वही देश है जिसमें वक्फ के नाम पर लाखों एकड़ जमीन कब्जा ली गयी है। उनके (कब्जा करने वालों के) पास कोई कागज नहीं, कोई राजस्व का रिकॉर्ड नहीं है और जब से (वक्फ) संशोधन विधेयक पारित हुआ और कार्रवाई हो रही है तो इसके लिए हिसा भड़काई जा रही है। योगी ने कहा, ''पश्चिमी बंगाल के मुर्शिदाबाद में तीन हिदुओं की उनके घरों से खींचकर हत्या कर दी गयी। ये सब कौन है, ये वही दलित, वंचित और गरीब है जिनको इस जमीन का सर्वाधिक लाभ मिलने वाला है।'' उन्होंने कहा, ''इसलिए इन्हें (विपक्षी दलों) भय है कि ऐसा हुआ तो इनका वोटबैंक और गुमराह करने की राजनीति हमेशा के लिए खत्म हो जाएंगे।

■ यूपी के सीएम ने कांग्रेस,सपा व टीएमसी पर साधा निशाना

हनुमान जयंती के जुलूस पर पथराव

■ मध्य प्रदेश के गुना में हुई इस घटना में नौ लोग गिरफ्तार

■ घटना उस समय हुई जब जुलूस एक मस्जिद के सामने से गुजर रहा था

भोपाल मध्यप्रदेश के गुना शहर में हनुमान जयंती के जुलूस के दौरान पथराव किए जाने के मामले में पुलिस ने नौ लोगों को गिरफ्तार किया है।

अधिकारियों ने रविवार को बताया, घटना कर्नलगंज इलाके में एक मस्जिद के पास शनिवार शाम 7:45 बजे हुई जब दो समुदायों के लोग आमने-सामने आ गए। इसके बाद अधिकारी स्थिति को नियंत्रण में लाने के लिए मौके पर पहुंचे। फिलहाल स्थिति शांतिपूर्ण है।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मान सिंह ठाकुर ने बताया, पथराव में संलिप्त लोगों में से नौ लोगों को हिरासत में लिया गया है। घटना के वीडियो और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोप तय किए जाएंगे। मामले में और लोगों की पहचान की जा रही है। पुलिस अन्य आरोपियों की तलाश कर रही है और उन्हें गिरफ्तार कर लिया जाएगा। घटना उस समय हुई जब जुलूस एक मस्जिद के सामने से गुजर रहा था।

गुना के जिलाधिकारी किशोर कन्याल ने बताया, कुछ संवाद की कमी हुई जिसके कारण दोनों समूह आमने-सामने आ गए और फिर पथराव की स्थिति बन गई। उस क्षेत्र में जुलूस निकालने की अनुमति नहीं थी। हालांकि, आयोजकों में से एक रंजीत खटीक ने कहा, प्रशासन कह रहा है कि कोई अनुमति नहीं थी लेकिन मेरे पास अनुमति के सभी सबूत है। उन्होंने दावा किया कि जब कुछ लड़कों ने 'जय श्री राम' के जयनारे लगाए तो पथराव किया गया।

SC में भी संपत्ति पर 'दत्तक पुत्र' का दावा खारिज

नई दिल्ली सुप्रीम कोर्ट ने संपत्ति विवाद के एक मामले में एक व्यक्ति के दत्तक पुत्र संबंधी दस्तावेज को खारिज करने के इलाहाबाद हाईकोर्ट के आदेश में हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया और कहा कि यह बेटियों को उनके पिता की संपत्ति पाने के अधिकार से वंचित करने का एक सोचा-समझा कदम है।

हाईकोर्ट ने 1983 में दायर दत्तक पुत्र संबंधी दस्तावेज की वैधता के प्रश्न पर निर्णय लेने में चार दशक से अधिक समय की देरी के लिए भी खेद जताया तथा कहा कि दस्तावेज में यह अनिवार्य शर्त भी अनुपस्थित है कि बच्चा गोद लेने वाले व्यक्ति को अपनी पत्नी की सहमति लेनी होगी। शिव कुमारी देवी और हरमुनिया उत्तर प्रदेश के निवासी भुनेश्वर सिह की बेटियां है, जिनकी मृत्यु हो चुकी है।

याचिकाकर्ता अशोक कुमार ने दावा किया था कि सिह ने उन्हें उनके जैविक पिता सूबेदार सिह से एक समारोह में गोद लिया था और अदालत के समक्ष इस दावे से संबंधित एक तस्वीर भी पेश की गई थी। कुमार ने भुनेश्वर सिह की विरासत पर दावा किया है। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति एन कोटिश्वर सिह की पीठ ने हाईकोर्ट के 11 दिसम्बर 2024 के उस आदेश के खिलाफ कुमार द्वारा दायर याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें नौ अगस्त, 1967 के दत्तक पुत्र संबंधित दस्तावेज की वैधता को स्वीकार करने से इनकार करते हुए कहा गया था कि अनिवार्य प्रक्रियाओं का पालन नहीं किया गया था। शीर्ष अदालत ने कहा, याचिकाकर्ता के वरिष्ठ अधिवक्ता को विस्तार से सुनने और रिकॉर्ड में रखी गई सामग्री का ध्यानपूर्वक अध्ययन करने के बाद यह फैसला लिया गया।

■ शीर्ष कोर्ट ने दस्तावेज को बेटियों को पिता की संपत्ति से वंचित करने का सोचा समझा कदम बताया

■ इलाहाबाद हाईकोर्ट के फैसले में दखल देने से किया इनकार

■ हाईकोर्ट ने कहा था, दत्तक पुत्र दस्तावेज में अनिवार्य प्रक्रियाओं का पालन नहीं किया गया

लेजर से ड्रोन व मानवरहित विमान को मार गिराने का सफल परीक्षण

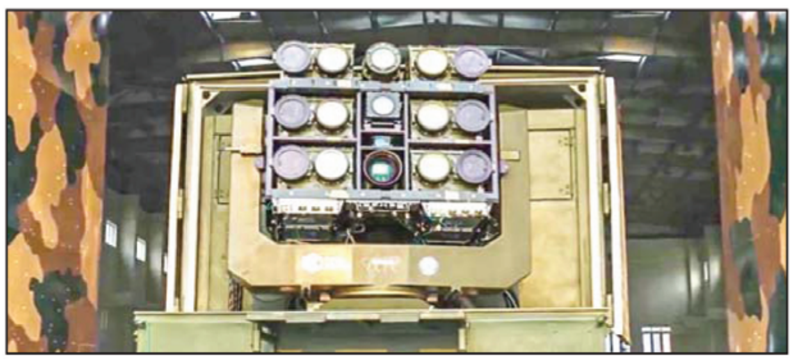

नई दिल्ली भारत ने रविवार को लेजर आधारित ऊर्जा हथियार प्रणाली का सफलतापूर्वक परीक्षण किया और इस तरह वह उन चुनिंदा देशों के समूह में शामिल हो गया, जिनके पास दुश्मन के ड्रोन और मानवरहित विमानों को मार गिराने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले आधुनिक हथियार है। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) ने कहा कि हथियार प्रणाली का परीक्षण आंध्र प्रदेश के कुरनूल में किया गया।

भारत उन चंद देशों में से एक है जो भविष्य की सुरक्षा चुनौतियों से निपटने के लिए निर्देशित ऊर्जा हथियार प्रणाली विकसित कर रहे है। अमेरिका, चीन और रूस को निर्देशित ऊर्जा हथियार प्रणाली विकसित करने के लिए जाना जाता है। डीआरडीओ ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, डीआरडीओ ने आज कुरनूल में वाहन पर लगे लेजर निर्देशित हथियार (डीईडब्ल्यू) एमके-दो (ए) के भूमि संस्करण का सफल फील्ड प्रदर्शन किया। पोस्ट में कहा गया है, इसने 'फिक्स्ड विग यूएवी' और 'स्वार्म ड्रोन' को सफलतापूर्वक हराया, जिससे संरचनात्मक क्षति हुई और निगरानी सेंसरों को निष्क्रिय कर दिया गया। इस सफल परीक्षण के साथ ही देश उन वैश्विक शक्तियों के विशिष्ट समूह में शामिल हो गया है जिनके पास उच्च शक्ति वाली लेजर आधारित डीईडब्ल्यू प्रणाली है। सरकार भारत की रक्षा क्षमता को मजबूत करने के लिए निर्देशित ऊर्जा हथियारों (डीईडब्ल्यू) और हाइपरसोनिक हथियारों के विकास पर ध्यान केंद्रित कर रही है। भारतीय वायु सेना पहले से ही इन हथियार प्रणालियों को हवाई प्लेटफार्म में एकीकृत करने की दिशा में काम कर रही है।

■ इसके साथ भारत उन चुनिंदा देशों के समूह में हुआ शामिल, जिनके पास लेजर आधारित ऊर्जा हथियार प्रणाली है

■ अभी तक यह हथियार प्रणाली चीन, रूस और अमेरिका के पास है

अमृतसर : बैसाखी पर स्वर्ण मंदिर परिसर स्थित सरोवर में स्नान करते पिता-पुत्र।

गोल्डी ढिल्लों गैंग के दो आतंकी गिरफ्तार

चंडीगढ़ पंजाब पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने रविवार को बताया कि एक आतंकी मॉड्यूल के दो सदस्यों को आरडीएक्स युक्त आईईडी बरामद होने के बाद गिरफ्तार किया गया है।

पंजाब के डीजीपी गौरव यादव ने कहा, आरोपियों की पहचान जग्गा सिह और मनजिदर सिह के रूप में हुई है। यादव ने कहा, वे जर्मनी में रहने वाले गुरप्रीत सिह उर्फ गोल्डी ढिल्लों द्वारा संचालित आतंकी मॉड्यूल के प्रमुख सदस्य है। ढिल्लों गोल्डी बराड़-लॉरेंस बिश्नोई गिरोह से जुड़ा है। उन्होंने कहा, काउंटर इंटेलिजेंस फिरोजपुर ने बड़ी सफलता हासिल करते हुए जर्मनी में रहने वाले गुरप्रीत सिह उर्फ गोल्डी ढिल्लों द्वारा संचालित एक आतंकी मॉड्यूल के प्रमुख गुर्गो जग्गा सिह और मनजिदर सिह को गिरफ्तार किया गया।

■ आरडीएक्स युक्त आईईडी बरामद होने के बाद की गई कार्रवाई

ईंधन स्टेशनों के कैमरे बताएंगे वाहन कितना पुराना

नई दिल्ली दिल्ली में ईंधन भरने वाले 477 स्टेशनों पर एक ऐसी प्रणाली लगाई गई है जिससे यह पता चल जाएगा कि कोई वाहन कितना पुराना है। सरकार शहर में वायु प्रदूषण पर अंकुश लगाने के लिए 'पुराने वाहनों को ईंधन नहीं देने' की नीति जल्द ही लागू करने वाली है और केवल 23 स्टेशन पर ऐसी प्रणाली लगाई जाना बाकी है।

पर्यावरण विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि अब तक 372 पेट्रोल पंपों और 105 सीएनजी स्टेशनों पर यह उपकरण लगाया जा चुका है तथा शेष स्टेशनों पर भी अगले 10 से 15 दिनों में यह उपकरण लगा दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि सरकार को उम्मीद है कि यह नीति अप्रैल के अंत तक लागू हो जायेगी। दिल्ली सरकार ने पुराने वाहनों को ईंधन नहीं देने की इस नीति को एक अप्रैल से लागू करने की योजना बनाई थी, लेकिन सभी स्थानों पर उपकरण स्थापित नहीं किए जाने के कारण यह नीति तय समय पर लागू नहीं हो सकी। पर्यावरण विभाग के अधिकारी ने कहा, '' हमने 477 ईंधन भरने वाले स्टेशनों पर उपकरण लगाने का काम पूरा कर लिया है और अब केवल 23 ही स्टेशन बचे है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और पर्यावरण मंत्री मनजिदर सिह सिरसा इस प्रक्रिया पर बारीकी से नजर रख रहे है। इस महीने के अंत तक पूर्ण रूप से यह नीति लागू हो जाएगी। ''

इससे पहले, सिरसा ने कहा कि सरकार इस प्रक्रिया को समय पर पूरा करने के लिए कड़ी मेहनत कर रही है। लेकिन उन्होंने यह भी कहा कि आंशिक क्रियान्वयन के बजाय इसे थोड़ा विलंबित करना बेहतर है। दिल्ली सरकार ने मार्च में अपनी योजना का खुलासा किया था कि राष्ट्रीय राजधानी में ईंधन प्रदान करने वाले पंप क्रमशः 15 और 10 वर्ष से अधिक पुराने वाहनों को पेट्रोल और डीजल उपलब्ध नहीं कराएंगे। शहर में 500 ईंधन रिफिलिग स्टेशन है। इस कदम का उद्देश्य वाहनों से होने वाले उत्सर्जन पर अंकुश लगाना तथा शहर में वायु प्रदूषण पर नियंत्रण करना है, जो लोगों के लिए लगातार चुनौती बना हुआ है।

■ दिल्ली में 15 वर्ष पुराने पेट्रोल व 10 वर्ष पुराने डीजल वाहनों को नहीं मिलेगा ईंधन

■ 477 ईंधन स्टेशनों पर लगे कैमरे, शेष पर अगले 15 दिनों में लग जाएंगे

■ इस माह के अंत तक लागू हो जाएगी पुराने वाहनों को ईंधन न देने की नीति

कौन सुनेगा व्यथा

जिम्मेदारी से नहीं बच सकते

पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले में वक्फ (संशोधन) अधिनियम के खिलाफ विरोध प्रदर्शन हिंसक हो जाने से पिता-पुत्र समेत तीन लोगों की मौत हो गई। हिंसक झड़पों के बाद छापेमारी में 150 से ज्यादा लोगों को गिरफ्तार किया गया। मालदा, दक्षिण 24 परगना और हुगली जिलों में पुलिस वैन समेत कई वाहनों को आग के हवाले कर दिया गया। सुरक्षा बलों पर पत्थर फेंके गए। सड़क जाम कर दी गईं और रेलवे संपत्ति को नुकसान पहुंचाया गया। कई जगहों पर ट्रेन सेवाएं घंटों बाधित रहीं। स्थिति इतनी भयावह हो गई कि कलकत्ता हाई कोर्ट को सीआरपीएफ की तैनाती के आदेश देने पड़े। अदालत ने कहा कि वह इस तरह की स्थिति से आंखें नहीं मूंद सकती। राज्य सरकार और

केंद्र, दोनों को स्थिति की विस्तृत रिपोर्ट पेश करने का निर्देश दिया। मामले की अगली सुनवाई 17 अप्रैल को होगी। आरोप-प्रत्यारोप का दौर शुरू हो गया है। केंद्रीय मंत्री और पश्चिम बंगाल के भाजपा अध्यक्ष सुकांत मजूमदार ने आरोप लगाया कि ममता शासन शमशेरगंज, सुती और जंगीपुर में 'हिन्दुओं पर हमले' के बावजूद आंखें मूंदे बैठा है। हिंसक विरोध प्रदर्शनों के बीच मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि वक्फ (संशोधन) अधिनियम राज्य में लागू नहीं किया जाएगा। बेशक, ममता बनर्जी ने हिंसा को किसी सूरत बर्दाश्त नहीं करने की बात कही है, लेकिन उनका यह कहना गैर-जिम्मेदाराना है कि नया कानून राज्य में लागू नहीं किया जाएगा। मुख्यमंत्री इस तथ्य से वाकिफ हैं कि संसद द्वारा बनाया गया कानून हर राज्य में लागू होता है। ममता भ्रम फैलाने का काम कर रही हैं। वे यह कह कर पल्ला नहीं झाड़ सकतीं कि हमने यह कानून नहीं बनाया है जिस पर लोग भड़के हुए हैं। यह कानून केंद्र ने बनाया है, इसलिए जो भी जवाब चाहिए केंद्र से मांगे जाने चाहिए। लेकिन केंद्र के पाले में गेंद डाल कर बचा नहीं जा सकता। राज्य में कानून-व्यवस्था बनाए रखना ममता सरकार की जिम्मेदारी है। और हिंसक प्रदर्शनकारियों से इस अंदाज में बात नहीं की जानी चाहिए कि वे राज्य सरकार से क्यों नाराज हैं। उनकी नाराजगी तो केंद्र सरकार से होनी चाहिए जिसने यह कानून बनाया है। मुख्यमंत्री का जो रुख है कि उससे लगता है कि कानून-व्यवस्था दुरुस्त रखने से ज्यादा उनकी रुचि राजनीति करने में है। मामला अदालत के समक्ष है, तो उसका फैसला आने तक विरोध प्रदर्शन अनुचित है। पश्चिम बंगाल सीमांत राज्य है, जिसकी सीमा उथल-पुथल के शिकार पड़ोसी बांग्लादेश से लगती है। सुरक्षा व्यवस्था में शिथिलता भारी पड़ सकती है।

शांति की तरफ कदम

जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ में जारी मुठभेड़ में सुरक्षा बलों ने दो और आतंकवादी मार गिराए। बीते दो दिनों के दौरान जिले के छत्रू क्षेत्र में ढेर किए गए आतंकियों की संख्या तीन हो गई। ये पाकिस्तानी आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद से संबद्ध बताए जा रहे हैं। इनमें शीर्ष कमांडर सैफुल्ला भी था जो बीते साल भर से चिनाब घाटी में सक्रिय था। यह अभियान बीते 9 अप्रैल से चालू है। किश्तवाड़ में लगातार बर्फबारी के बावजूद कठिन परिस्थितियों में सेना खोजबीन में जुटी है। सुरक्षा बलों के घेरे में आते ही आतंकवादी गोलीबारी चालू

कर देते हैं। तलाशी अभियान दुर्गम घने जंगलों में जारी है। बिलावर, घट्टी, भड्ड, कोग-मंडली जैसे इलाकों में भी यह सर्च-अभियान चलाया गया। आतंकवादरोधी व घुसपैठरोधी अभियान के दरम्यान एक सैनिक शहीद हो गया। शांति बहाली की इस प्रक्रिया में आतंकवादियों को समर्थन देने वालों पर भी कड़ी नजर रखी जा रही है और सुराग मिलते ही कार्रवाई की जा रही है, जो बीहड़ इलाकों तक रसद, आश्रय या आपूर्ति में उनके मददगार बनते हैं। इलाके के निवासियों से संदेह के आधार पर लंबी पूछताछ जारी है। आतंकियों को सहायता देने वाले स्थानीय लोगों पर सख्ती करने से वे भले ही फौरी तौर पर नाराज होते हैं मगर इससे सेना व सुरक्षा बलों को सटीक जानकारी एकत्र करने में काफी सफलता मिली है। हिरासत में लिए गए इन लोगों में लतीफ के परिवार वाले भी हैं जो बीते साल मल्हार में सेना के ट्रक पर हमले के दौरान आतंकियों की सहायता के आरोप में पहले से ही जेल में हैं। इस मुठभेड़ में मारे गए आतंकी अबू ताला ने भी लतीफ के घर पनाह ली थी। इस हमले में छह सैनिकों के मारे जाने के बाद केंद्र सरकार समेत सुरक्षा बलों को गहरा झटका लगा था। सीमा पार से जारी घुसपैठ को रोकने को लेकर लगातार प्रयास जारी हैं। मगर स्थानीय लोगों के इन्हें पनाह देने या मार्गदर्शन करने के चलते इन अभियानों को गहरी क्षति होती है। जरूरी है कि स्थानीय नागरिकों को इतना मुतमईन किया जाए कि वे शांति बहाली की प्रक्रिया में स्वेच्छापूर्वक सहयोगी बनने को राजी हों। राज्य में शांति बहाली के साथ ही पर्यटकों की आवती भी बढ़ती नजर आ रही है, जिससे होने वाले आर्थिक लाभ से स्थानीय नागरिकों का जीवन यापन सुधरता नजर आ रहा है। वे स्वीकार रहे हैं कि यह शांति उनके हित में है।

सौर ऊर्जा/राजेश कुमार चौहान

बिजली का अच्छा विकल्प

हमारे देश में लगभग सभी राज्यों में गर्मियों में बिजली का संकट आ जाता है क्योंकि गर्मियों में बिजली की डिमांड ज्यादा हो जाती है। बिजली संकट से आम लोग तो परेशान होते ही हैं, साथ ही इंडस्ट्री को भी खासा नुकसान उठाना पड़ता है। ऐसे में सौर ऊर्जा बिजली का अच्छा विकल्प है।

भारत सरकार द्वारा प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना की शुरुआत की गई है, जिसका उद्देश्य सौर ऊर्जा का प्रसार करना और देश भर के नागरिकों को मुफ्त बिजली उपलब्ध कराना है। इस योजना के तहत देश में सौर ऊर्जा को बढ़ावा मिल सकता है। केंद्र सरकार ने इस योजना का लाभ गरीब और मध्यमवर्गीय परिवारों तक पहुंचाने के लिए विशेष कदम उठाने के लिए भी कहा है। हमारा देश गांवों का देश है। देश में बहुत से गांव ऐसे भी होंगे जहां तार द्वारा बिजली पहुंचाना मुश्किल होगा, खास तौर पर पहाड़ी इलाकों में। वहां बारिश में जब विद्युत आपूर्ति क्षतिग्रस्त होती होगी तो वहीं पर रिपेयर करना भी मुश्किल होता होगा। सौर ऊर्जा इन समस्याओं से भी गांवों को बचा सकती है। सौर ऊर्जा बिजली का बहुत अच्छा विकल्प है, इससे पर्यावरण पर भी कोई विपरीत प्रभाव नहीं पड़ता है। सरकार की योजना तभी सफल होगी, जब राज्य सरकारें इस योजना को कामयाब बनाने के लिए पूरी तरह से गंभीरता दिखाएंगी। केंद्र सरकार को चाहिए कि सभी उद्योगों, व्यापारियों, स्कूलों, अस्पतालों और अन्य ऐसी संस्थाओं को भी इस योजना का लाभ देने की दिशा में काम करे। ऐसी योजनाओं से हमारे देश में बिजली क्षेत्र के अच्छे दिन आ सकते हैं। देश को चौबीसों घंटे बिजली मिल सकती है, और बिजली संकट दूर हो सकता है। जर्मन में लोग बिजली के क्षेत्र में आत्मनिर्भर होने के लिए प्रयासरत हैं। यहां के बहुत से होटल, विद्यालय, अस्पताल सोलर पैनल के जरिए बिजली प्राप्त कर सराहनीय काम कर रहे हैं। वैज्ञानिकों को इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए ऐसी नई टैक्नोलॉजी विकसित करनी चाहिए जो बिजली की खपत भी कम करे, और जो ज्यादा सुरक्षित भी हो, और जिसकी चार्जिंग सौर ऊर्जा के तहत हो। आने वाले समय में सौर ऊर्जा से भी वाहनों को चलाने का ज्यादा से ज्यादा प्रयोग हो सकता है, और होना भी चाहिए, क्योंकि बिजली तैयार करने के विकल्प पेट्रोल और डीजल तथा अन्य जरिए कभी भी समाप्त हो सकते हैं।

रेजिडेंट डॉक्टर

डॉ. लक्ष्य मित्तल

कोलकाता के आरजी कर अस्पताल में 2024 में एक महिला रेजिडेंट डॉक्टर रेप के बाद हत्या का शिकार हुई। दुनिया को इसकी अधूरी कहानी बताई गई। पूरी कहानी सुनिए। घटना के वक्त वह लगातार 36 घंटे काम करके बुरी तरह थक कर अस्पताल के सेमिनार हॉल में सो गईं। नियमानुसार आठ घंटे काम के बाद हॉस्टल गई होतीं, तो थक-हारकर सेमिनार हॉल में नहीं सोना पड़ता। रेप और हत्या के पीछे लगातार 36 घंटे ड्यूटी लगाने वाला तंत्र जिम्मेदार है। इस पर सुनवाई में सुप्रीम कोर्ट ने 36 घंटे की ड्यूटी को 'अमानवीय' कहा था।

मेडिकल पीजी स्टूडेंट्स को रेजिडेंट डॉक्टर या जूनियर डॉक्टर कहा जाता है। कुछ मेडिकल कॉलेजों में उनकी लगातार 36 घंटे ड्यूटी लगती है। हर सप्ताह दो-तीन बार 36 घंटों की ड्यूटी लग सकती है। कई बार साप्ताहिक अवकाश भी नहीं मिलता। सप्ताह में 70 घंटे से भी लंबी ड्यूटी लगती है। मरीजों के इलाज की गुणवत्ता पर भी इसका असर पड़ता है। अत्यधिक काम के तनाव से उन्हें निढाल देखा जा सकता है। हाल के वर्षों में लगभग 150 मेडिकल स्टूडेंट्स की आत्महत्या ने भारत सरकार को चिंता में डाल दिया है। एनएमसी ने एक 'नेशनल टास्क फोर्स, 2024' बनाई। इसने मेडिकल स्टूडेंट्स के मानसिक स्वास्थ्य का अध्ययन किया। इसकी रिपोर्ट कहती है कि अत्यधिक काम के कारण रेजिडेंट डॉक्टरों पर मानसिक तनाव है। रिपोर्ट के अनुसार 57 प्रतिशत रेजिडेंट्स को साप्ताहिक अवकाश भी नहीं मिलता। उनमें आत्महत्या के विचार आते हैं। आत्महत्या की योजना बना चुके रेजिडेंट डॉक्टरों की जानकारी भी नेशनल टास्क फोर्स को मिली। जाहिर है कि रेजिडेंट डॉक्टरों लगातार काम कराना उनकी जिंदगी से खिलवाड़ है।

यही कारण है कि यूडीएफ ने रेजिडेंट डॉक्टरों के लिए 1992 का नियम लागू करने का सुझाव दिया है कि रेजिडेंट डॉक्टरों को कितने घंटे की ड्यूटी करनी है? इसके लिए भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने पत्रांक एस-11014/3/91/एमई (पी) दिनांक पांच जून, 1992 के जरिए 'यूनिफॉर्म रेजिडेंसी स्कीम' के दिशा-निर्देश जारी किए थे। इनके अनुसार जूनियर डॉक्टरों की प्रति सप्ताह 48 घंटे की ड्यूटी होगी। लगातार 12 घंटे से ज्यादा ड्यूटी नहीं होगी।

इतने स्पष्ट नियम के बावजूद कुछ मेडिकल कॉलेजों में जूनियर डॉक्टरों से 'अमानवीय' तरीके से काम करा कर उनकी बंधुआ मजदूरों जैसी हालत कर दी जाती है। परीक्षा में असफल करने का डर दिखा कर आतंकित किया जाता है। एमबीबीएस करके डॉक्टर बन चुके और एमडी या एमएस कर रहे

युवाओं को भीगी बिल्ली बन कर अधमरे हाल में रो-रोकर रेजिडेंसी का मनहूस दौर काटना पड़ता है जबकि उन्हीं के साथ स्कूल में पढ़ने वाले कुछ दोस्त आईएएस या आईपीएस बन कर शान से जी रहे होते हैं। कुछ आईआईटी या मैनेजमेंट करके करोड़ों का पैकेज उठा रहे होते हैं। जबकि रेजिडेंट डॉक्टरों को गरिमामय जिंदगी और नींद के अधिकार तक से वंचित होना पड़ता है।

सवाल है कि रेजिडेंट डॉक्टरों की ड्यूटी के घंटों के लिए 1992 के भारत सरकार के नियम का उल्लंघन करने का गुनहगार कौन है? क्या इसके लिए मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल के प्रिंसिपल, डीन और विभागाध्यक्ष ही जवाबदेह माने जाएंगे अथवा कंसल्टेंट और सीनियर भी जिम्मेदार होंगे? ध्यान रहे कि किसी भी कानून का अनुपालन नहीं हो रहा हो तो उसे अप्रभावी नहीं कहा जा सकता। आज जो कानून लागू या प्रभावी है, उसका अनुपालन नहीं होने पर बाद में भूतलक्षी प्रभाव से भी सजा हो सकती है। संभव है, कभी कोई अदालत यह आदेश दे कि विगत कुछ वर्षों में इस आदेश की अनदेखी करने वालों पर कार्रवाई हो। यही कारण है कि एम्स, दिल्ली और कर्नाटक सरकार ने इसे लागू करने का गंभीर प्रयास किया है। एम्स के एकेडमिक सेक्शन ने 2017 में इस संबंध में स्पष्ट निर्देश भेजा था। इसके बाद छह अक्टूबर, 2020 को दुबारा एम्स के सभी केंद्रों को ऑफिस मेमोरेंडम भेजा गया। इसमें 1992 के नियम का हवाला देते हुए रेजिडेंट डॉक्टरों की सप्ताह में 48 घंटे और एक बार में अधिकतम 12 घंटे ड्यूटी का नियम लागू करने का निर्देश दिया गया। इसके बावजूद इनका अनुपालन नहीं हो रहा है।

ऐसा ही पत्र कर्नाटक सरकार ने भी जारी किया है। एक मार्च, 2024 को कर्नाटक सरकार के स्वास्थ्य शिक्षा निदेशालय ने सभी सरकारी और निजी मेडिकल कॉलेजों के नाम पत्र जारी किया था। इसमें भी 1992 के आदेश का हवाला देते हुए एक समय में 12 घंटे से अधिक लंबी ड्यूटी नहीं लगाने का आदेश दिया था। कर्नाटक के मेडिकल स्टूडेंट्स के अभिभावकों ने राज्य सरकार को पत्र लिखा। बताया है कि पीजी मेडिकल स्टूडेंट्स को मशीन समझ कर लगातार काम कराया जाता है। उन्हें खाने और सोने तक का अवसर नहीं मिल रहा। इस कारण मेधावी स्टूडेंट्स का जीवन नारकीय हो गया है।

अभिभावकों ने लिखा कि विभागाध्यक्ष और प्रोफेसर इन नये पीजी स्टूडेंट्स को दोयम दर्जे का प्राणी मानते हैं। इसमें बात करना अपनी तौहीन समझते हैं। इस पत्र पर बेंगलुरु, मैसूर, बेल्लारी और हुबली निवासी अभिभावकों ने हस्ताक्षर किए। दिसम्बर, 2023 के इस आवेदन के आलोक में कर्नाटक सरकार ने 1992 के नियम लागू करने की घोषणा कर दी। यह गंभीर शोध का विषय है कि 1992 के स्पष्ट आदेश के बावजूद सबकी अनदेखी इतनी आसानी से कैसे हो रही है? इसके पीछे सिर्फ मेडिकल कॉलेजों के अधिकारी जिम्मेवार हैं, अथवा वे अभिभावक भी हैं, जिनमें अपने बच्चों के लिए एक पत्र लिखने और आवाज उठाने तक की हिम्मत नहीं है? अगर सरकार के स्पष्ट नियम के बावजूद रेजिडेंट डाक्टरों को शोषण और मानसिक पीड़ा का शिकार होना पड़ रहा है, तो खुद अभिभावक ही गुनहगार हैं, जिन्हें एक आजाद देश के नागरिक के बतौर अपनी क्षमता मालूम नहीं। देश में मेडिकल कॉलेजों की लगातार बढ़ती संख्या के बीच जरूरी हो गया है कि रेजिडेंट डॉक्टरों के काम के घंटों संबंधी 1992 के नियम का सख्ती से अनुपालन हो। उनसे अत्यधिक काम लेकर उनकी जिंदगी से खिलवाड़ करना बंद हो।

(लेखक 'यूनाइटेड डॉक्टर्स फ्रंट' के राष्ट्रीय अध्यक्ष हैं। लेख में विचार निजी हैं)

> मेडिकल पीजी स्टूडेंट्स को रेजिडेंट डॉक्टर या जूनियर डॉक्टर कहा जाता है। कुछ मेडिकल कॉलेजों में उनकी लगातार 36 घंटे ड्यूटी लगती है। सप्ताह में दो-तीन बार 36 घंटों की ड्यूटी लग सकती है। कई बार साप्ताहिक अवकाश भी नहीं मिलता। मरीजों के इलाज की गुणवत्ता पर भी इसका असर पड़ता है। अत्यधिक काम के तनाव से उन्हें निढाल देखा जा सकता है। हालिया वर्षों में 150 से ज्यादा स्टूडेंट्स की आत्महत्या ने सरकार को चिंता में डाल दिया है

2060 तक सालाना 100 करोड़ टन पैदा होगा

प्लास्टिक कचरा

- आने वाले दशकों में प्लास्टिक कचरे की मात्रा खतरनाक स्तर पर पहुंच सकती है। वैश्विक स्तर पर हर साल 35.3 करोड़ टन प्लास्टिक कचरा पैदा हो रहा है। 2060 तक यह आंकड़ा तीन गुना बढ़कर हर साल 101.4 करोड़ टन हो सकता है
- यह चौंकाने वाला आंकड़ा आर्थिक सहयोग एवं विकास संगठन (ओईसीडी) की रिपोर्ट 'ग्लोबल प्लास्टिक आउटलुक : पॉलिसी सिनेरियोज टू 2060' में सामने आया है
- रिपोर्ट के मुताबिक, प्लास्टिक प्रदूषण दुनियाभर में तेजी से फैल रहा है। यहां तक कि दुनिया के उन दुर्गम और निर्जन इलाकों में भी प्लास्टिक के अवशेष मिले हैं, जहां इंसानों का कोई सीधा प्रभाव नहीं पड़ा है (मीडिया इनपुट्स)

अखिलेश यादव के विरुद्ध अपमानजनक अभियान में कुछ पत्रकार और एक वरिष्ठ आईएएस भी शामिल हैं। एक वरिष्ठ नौकरशाह की घटिया बयानबाजियां हैरत में डालने वाली हैं। विश्वास नहीं होता कि कोई अधिकारी इतना गिर सकता है।

रोहिणी सिंह, पत्रकार
@rohini_sgh

राफेल विमान से बढ़ेगी नौसेना की ताकत

उपलब्धि

प्रमोद भार्गव

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में सुरक्षा मामलों की केंद्रीय कैबिनेट समिति (सीसीएस) ने सरकार से सरकार के बीच सौदे के तहत 64 करोड़ रुपये की लागत से भारतीय नौसेना के लिए 26 राफेल-एम (मैरी टाइम) विमानों की खरीद को अंतिम रूप दे दिया है। इन्हें विमान वाहक पोत आईएनएस विक्रांत पर तैनात किया जाएगा। भारत 22 एक सीट वाले और 4 दो सीट वाले लड़ाकू विमान खरीदेगा। हिन्द प्रशांत क्षेत्र में चीन के बढ़ते हस्तक्षेप के बीच इन विमानों को खास तौर पर भारतीय नौसेना के लिए डिजाइन किया गया है।

राफेल विमानों की इस खरीद में फ्रांस सरकार की ओर से नौसेना के लिए हथियार, सिम्युलेटर, कलपुर्जे, सहायक उपकरण, स्पेयर पार्ट्स और पायलटों को प्रशिक्षण दिया जाना भी शामिल है। फ्रांसीसी एयर स्पेस कंपनी डसॉल्ट एविएशन द्वारा निर्मित राफेल-एम विमानों की आपूर्ति अनुबंध पर हस्ताक्षर होने के बाद 37 से 65 महीनों के भीतर की जाएगी यानी आपूर्ति 2030-31 तक हो जाएगी। फ्रांस से भारत ने पूर्व में 36 पूर्व राफेल विमान खरीदे हैं। यह समुद्री लड़ाकू विमान नौसेना की जरूरतों के हिसाब से विकसित किया गया है। यह विमान पुराने विमान मिग-29 का ठोस विकल्प साबित होगा। ऐसे विमानों की तलाश में भारत लंबे समय से था क्योंकि हिन्द महासागर क्षेत्र में चीन वर्चस्व बढ़ाने में लगा है। हिन्द महासागर में अंतराष्ट्रीय नियमों का लगातार उल्लंघन करता रहा है जबकि फ्रांस की मंशा इस सागर को खुले और समावेशी क्षेत्र के रूप में सुरक्षित बनाए रखना है। एक तरह से इन विमानों के सौदे को चीन की मनमानी के विरुद्ध भारत और फ्रांस की साझा रणनीति का हिस्सा भी माना जा रहा है। विशेषज्ञों का कहना है कि राफेल की खरीद इसलिए उचित है कि भारतीय वायुसेना राफेल के रख-रखाव से संबंधित अधोसंरचना तैयार कर चुकी है। यही नौसेना के काम आ जाएगी। इससे धन की बचत भी होगी।

ये विमान उसी डॉसल्ट कंपनी से खरीदे जा रहे हैं, जिससे 2016 में 36 राफेल विमान खरीदे गए थे। यह खरीद विवादित रहते हुए लोक सभा में चर्चित रही थी

जबकि इनकी आपूर्ति के बाद भारत की रक्षा शक्ति बढ़ी है। भारत और फ्रांस के बीच रक्षा क्षेत्र में बढ़ते सहयोग के दौरान यह अहम उपलब्धि है। भारत सरकार पिछले पांच साल से आईएनएस विक्रांत के लिए नये लड़ाकू विमान खरीदने की योजना पर विचार कर रही थी। तीन साल पहले अमेरिकी बोइंग एफ-ए-18 सुपर हार्नेट और फ्रांसीसी राफेल-एम में से किसी एक को चुनने का काम शुरू हो गया था। भारतीय नौसेना ने 2022 में गोवा में दोनों विमानों के परीक्षण किए। इनकी खूबियों और खामियों को लेकर एक रिपोर्ट तैयार की। रिपोर्ट के बाद भारतीय रक्षा विशेषज्ञों ने राफेल-एम को आईएनएस विक्रांत की जरूरतों के अनुकूल पाया। यह विमान 15.27 मीटर लंबा और 10.80 मीटर चौड़ा है। इसकी ऊंचाई 5.34 मीटर है। इसका कुल वजन 10,600 किग्रा. है। यह 1912 किमी. प्रति घंटे की रफ्तार से उड़ान भरेगा। 3700 किमी. के व्यास में यह 50,000 फीट ऊंचाई तक उड़ सकता है। चूंकि ये विमान पोत से उड़ान भरते हैं, इसलिए इनमें ऊंची और लंबी छलांग लगाने की क्षमता के लिए ताकतवर इंजन होना चाहिए क्योंकि पोत पर विमान को छोटे मार्ग से उछाल मार कर उड़ान भरनी होती है। ये सब खूबियां इस विमान में हैं।

याद रहे देश की रक्षा ताकत बढ़ाने की दृष्टि से प्रधानमंत्री मोदी ने 2016 में फ्रांस यात्रा के दौरान फ्रांसीसी कंपनी डसॉल्ट एविएशन से 36 राफेल जंगी जहाजों का सौदा किया था। यह सौदा अरसे से अधर में लटका था। फ्रांस के तत्कालीन राष्ट्रपति फ्रांस्वा ओलांद और प्रधानमंत्री मोदी के बीच सीधे बातचीत के बाद यह सौदा अंतिम रूप ले पाया था। इस लिहाज से इस सौदे के दो फायदे देखने में आए थे। एक, ये युद्धक विमान जल्द से जल्द हमारी वायुसेना के जहाजी बेड़े में शामिल हो गए। दूसरे, इस खरीद में दलाली की कोई गुंजाइश नहीं रह गई थी, क्योंकि सौदे को दोनों राष्ट्र प्रमुखों ने सीधे संवाद के जरिए अंतिम रूप दिया था। हालांकि रक्षा उपकरणों की खरीदी से अनेक किंतु-परंतु जुड़े होते हैं, सो इस खरीद से भी जुड़ गए थे, लेकिन कोई कमी सामने नहीं आई। भारतीय सेना के लिए लड़ाकू विमानों की खरीद इसलिए जरूरी थी, क्योंकि हमारे लड़ाकू बेड़े में शामिल ज्यादातर विमान पुराने होने के कारण जर्जर हालत में हैं। अनेक विमानों की उड़ान अवधि समाप्त हो जाने के बावजूद उनका इस्तेमाल किया जाता रहा है। इन कारणों के चलते आये दिन जेटों के दुर्घटनाग्रस्त होने की घटनाएं सामने आती रहीं। इन दुर्घटनाओं में वायु सैनिकों के बिना लड़े ही शहीद होने का सिलसिला बन गया था। राफेल विमानों की खरीद के बाद दुर्घटनाओं पर तो विराम लगेगा ही, हमारे सैनिक बिना लड़े शहीद भी नहीं होंगे।

विचार

श्रीराम शर्मा आचार्य

प्रत्येक मनुष्य अपने विचारों द्वारा ही अपना आत्म निर्माण करता है क्योंकि विचार का बीज ही समयानुसार फलित होकर गुणों का रूप धारण करता है, और वे गुण, मनुष्य के दैनिक जीवन में कार्य बन कर प्रकट होते रहते हैं। विचार ही वह तत्व है, जो गुण, कर्म, स्वभाव के रूप में, दृष्टिगोचर होता है। मन, कर्म, वचन में विचारों का ही प्रतिबिम्ब सदा परिलक्षित होता रहता है। मानव मनोभूमि में सत और असत, दो प्रकार के संकल्प काम करते रहते हैं। भलाई और बुराई, दोनों ही ओर मन चलता रहता है। इस द्विधा में जिधर रुचि अधिक हुई, उधर ही प्रवृत्तियां बढ़ जाती हैं। यदि असत मार्ग पर चला गया तो अपयश, द्वेष, चिंता, दैवी प्रकोप, शारीरिक और मानसिक अस्वस्थता दरिद्रता एवं अप्रतिष्ठा प्राप्त होती है। और यदि सत मार्ग का अनुगमन किया गया तो प्रशंसा, प्रतिष्ठा, प्रेम, सहयोग, संतोष, दीर्घ जीवन, शारीरिक और आत्मिक बलिष्ठता एवं सदा आनंद ही आनंद का रसास्वादन होता है। दो प्रकार के विचार ही मनुष्य समाज को दो भागों में बांटते हैं। सुखी-दुखी, रोगी-निरोगी, दरिद्र-संपन्न, दुष्ट-सज्जन, पापी-पुण्यात्मा, निन्दित-पूज्य, प्रसन्न-चिन्तित आदि द्विविधि श्रेणियां केवल मात्र द्विविधि विचारों द्वारा ही विनिर्मित होती हैं। अधिक संख्या में जनसमुदाय का मानसिक धरातल परिमार्जित नहीं होता, उसमें पाशविक वृत्तियों की प्रधानता रहती है। अविवेक, अज्ञान, अदूरदर्शिता, संकुचित स्वार्थपरायणता, लोभ, विषय विकारों में आसक्ति एवं निकृष्ट कोटि के मनोरंजन की अभिलाषाओं से मनः दोष भरा रहता है जिससे उसके सोचने, कार्य करने और आनंद लाभ करने की परिधि ऐसी सीमित हो जाती है, जिसमें बुराई, तामसिकता एवं अशांति ही उत्पन्न हो सकती है। इसी कठघरे में अधिकांश लोग बंद रहते हैं। माया का यह घेरा मनुष्य को बुरी तरह जकड़े रहता है। वह जकड़ा हुआ प्राणी पराधीनतावश नाना प्रकार के दुखों को प्राप्त करता रहता है। यही भव बंधन है। भव बंधन से पार पाने के लिए चतुर-सुजान व्यक्ति हर संभव प्रयास करता है। अपने इस सफल न हो पाने की स्थिति में महानुभाव जनों के व्यक्तित्व, कृतित्व और अनुभवों से प्रेरणा ग्रहण करने के लिए प्रयासरत रहता है।

रीडर्स मेल

राणा को सजा सुनिश्चित हो

2008 के मुंबई हमले, जिन्हें 26/11 के नाम से जाना जाता है, ने 166 लोगों की जान ले ली और 300 से अधिक को घायल किया। लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) के आतंकियों ने ताजमहल होटल और नरीमन हाउस जैसे प्रतिष्ठित स्थानों को निशाना बना कर चार दिन तक आतंक मचाया था। पाकिस्तानी-कनाडाई तहव्वुर हुसैन राणा की इस साजिश में प्रमुख भूमिका थी। अप्रैल, 2025 में भारत को प्रत्यर्पित राणा पर मुकदमा न्याय की दिशा में महत्त्वपूर्ण कदम है। राणा ने फर्जी दस्तावेज और वीजा सहायता देकर एलईटी के डेविड हेडली की टोह में मदद की, हमले की जानकारी रखते हुए। हेडली की गवाही और संचार राणा को एलईटी और पाकिस्तान की आईएसआई से जोड़ते हैं। अमेरिका में एलईटी को समर्थन देने के लिए सजा पाने के बावजूद राणा अब तक मुंबई मामले में जवाबदेही से बचा रहा। राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने उसे आतंकवाद-रोधी कानूनों के तहत आरोपित किया है। उसे सजा सुनिश्चित हो ताकि हमलों के शहीदों की स्मृति सम्मानित हो।

चंदन कुमार नाथ, बरपेटा, असम

जापानी कंपनियों को नुकसान

डोनाल्ड ट्रंप की उच्च टैरिफ नीति दुनिया में हाहाकार की वजह बन गई है। जापान इससे सर्वाधिक प्रभावित हुआ है। अर्थव्यवस्था और सुरक्षा को लेकर लंबे समय से जापान अमेरिका पर निर्भर रहा है। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद जापान ने अमेरिका पर अपनी अर्थव्यवस्था और सुरक्षा के लिए काफी हद तक निर्भरता बनाई लेकिन इस दौर में ट्रंप को यह बात रास नहीं आई है। अमेरिका द्वारा जापानी उत्पादों पर 24 प्रतिशत तक टैरिफ और ऑटोमोबाइल पर पहले से लागू 25 प्रतिशत टैरिफ से जापानी कंपनियों को भारी नुकसान हुआ है। यह कदम वैश्विक मंदी के संकेत दे रहा है। व्यापार असंतुलन के मुद्दे के बाद अब सुरक्षा नीति पर भी ट्रंप की नजर है। ऐसे में जापान को अमेरिका पर निर्भर रहने की नीति बदलनी चाहिए। द. कोरिया, ऑस्ट्रेलिया, फिलीपींस, आसियान, भारत और वैश्विक दक्षिण के उभरते देशों के साथ रणनीतिक साझेदारी को बहुपक्षीय सहयोग से मजबूत करना चाहिए। जब तक जापान अधिक स्वायत्त और संतुलित नीति नहीं अपनाएगा, विकास की राह में ऐसे रोड़े आते रहेंगे।

अमृतलाल मारू 'रवि', इंदौर

आतंकी नेटवर्क का होगा भंडाफोड़

माया नगरी मुंबई में 2008 में हुए हमलों के मास्टरमाइंड तहव्वुर राणा को अमेरिका से भारत लाना बड़ी उपलब्धि है। राष्ट्रीय जांच एजेंसी की चार सदस्यों की टीम अमेरिका से राणा को लेकर भारत लौटी। राणा को भारत लाने से अब 26/11 के हमलों में मारे गए लोगों के परिजनों का दर्द छलक उठा है। उन्होंने राणा को फांसी देने की मांग की है। राणा के भारत आने से आतंकवाद से जुड़े नेटवर्क का पता लगाना आसान हो जाएगा। इससे पाकिस्तान में पनप रहे आतंकवाद का पर्दाफाश भी होगा क्योंकि पाकिस्तान आतंकवाद को लेकर अब तक बचता रहा है। राणा की गिरफ्तारी से ऐसे सबूत मिलने की उम्मीद बंधी है जिनसे साबित हो जाएगा कि पाकिस्तान में ही आतंकवाद से जुड़ी गतिविधियां चल रही हैं। साथ ही, ऐसे अनेक राज भी खुलेंगे जिनसे स्पष्ट हो जाएगा कि दुनिया में आतंकवाद का नेटवर्क चलाने में पाकिस्तान की अहम भूमिका है।

हितेंद्र डेढ़ा, चिल्ला, दिल्ली

संक्षिप्त समाचार

लेबनान : विस्फोट मामले में दो पूर्व शीर्ष अधिकारियों से की गई पूछताछ

बेयरूत, एजेंसी। लेबनान के जज तारेक बिटार ने शुक्रवार को बेरूत बंदरगाह विस्फोट की जांच के सिलसिले में दो पूर्व शीर्ष सुरक्षा अधिकारियों से पूछताछ की। करीब चार वर्षों में पहली बार यह पूछताछ हुई है। इन अधिकारियों को समन भेजा गया था। पूछताछ में सामान्य सुरक्षा निदेशालय के पूर्व प्रमुख मेजर जनरल अब्बास इब्राहीम और पूर्व राज्य राज्य सुरक्षा प्रमुख मेजर जनरल टोनी सलिबा शामिल थे। इन दोनों अधिकारियों पर 2020 में हुए विस्फोट में उनकी कथित भूमिका के लिए आरोप लगाए गए हैं, हालांकि आरोपों का विवरण सार्वजनिक नहीं किया गया है। यह विस्फोट 4 अगस्त 2020 को हुआ था। बेरूत बंदरगाह पर असुरक्षित रूप से संग्रहित अमोनियम नाइट्रेट में आग लग गई थी। इसमें 218 से अधिक लोगों की मौत हुई और 6,000 से अधिक लोग घायल हुए थे। इसने बेरूत के बड़े हिस्से को तबाह कर दिया था।

कांगो : सेना ने आईएस से जुड़े आतंकियों के चंगुल से 41 बंधकों को छुड़ाया

किंशासा, एजेंसी। कांगो की सेना ने देश के पूर्वी हिस्से में एक बड़ा अभियान चलाकर 41 बंधकों को इस्लामिक स्टेट से जुड़े आतंकी समूह के चंगुल से छुड़ाया। छुड़ाए गए लोगों में 13 महिलाएं और कई विदेशी नागरिक भी शामिल हैं। सेना के प्रवक्ता माक हजुकाय ने बताया कि ये बंधक एलाइड डेमोक्रेटिक फोर्सेस (एडीएफ) नामक आतंकी समूह के कब्जे में थे और उन्हें नॉर्थ किवू प्रांत के लुबेरो और बेनी इलाकों से छुड़ाया गया। यह अभियान कांगो और पड़ोसी देश युगांडा की सेना ने मिलकर चलाया।

आयरलैंड : डाटा प्राइवेसी आयोग ने शुरू की एक्स के खिलाफ जांच

डबलिन, एजेंसी। आयरलैंड के डाटा प्राइवेसी आयोग (डीपीसी) ने दिग्गज कारोबारी एलन मस्क की सोशल मीडिया कंपनी एक्स (पहले ट्विटर) के खिलाफ जांच शुरू की है। कंपनी पर आरोप है कि उसने यूरोप के यूजर्स की पोस्ट से उनका निजी डाटा निकालकर उसे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस चैटबॉट ग्रोक को प्रशिक्षित करने के लिए इस्तेमाल किया। आयोग ने शुक्रवार को एक बयान में कहा, यह जांच यह पता लगाने के लिए की जा रही है कि क्या एक्स ने यह डाटा कानूनी तरीके से प्रोसेस किया, ताकि इससे ग्रोक जैसे बहुभाषी मॉडल (एलएलएम) को प्रशिक्षित किया जा सके।

अमेरिका : बोस्टन हार्बर में मछली पकड़ने वाली नाव पलटी, 3 लोग बचाए गए, डीजल और तेल का रिसाव

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के बोस्टन हार्बर में एक व्यावसायिक मछली पकड़ने वाली नाव उथले पानी में पलट गई। इस हादसे में नाव पर सवार तीनों लोगों को सुरक्षित बचा लिया गया, लेकिन हादसे के बाद समुद्र में डीजल और तेल फैल गया। 86 फीट लंबी मछली पकड़ने वाली नाव शुक्रवार सुबह ग्रीन आइलैंड के पास उथले पानी में फंस गई और एक तरफ झुककर पलट गई। नाव का नाम एलीन रीटा था और हादसे के वक्त उस पर 3 लोग सवार थे। सुबह 7 :45 बजे कोस्ट गार्ड को आपातकालीन फोन कॉल मिला। नाव के फंसते ही सभी सवारों ने पानी में बचने वाले खास सूट पहन लिए। कोई घायल नहीं हुआ। बोस्टन पुलिस ने सुरक्षित सभी को निकालकर किनारे पर पहुंचाया।

अर्जेंटीना ने सख्त मुद्रा नियंत्रण को हटाने का ऐलान किया

ब्यूनस आयर्स, एजेंसी। अर्जेंटीना के राष्ट्रपति जेवियर मिलेई के आर्थिक मंत्री ने शुक्रवार को घोषणा की कि उनकी सरकार कुछ ही दिनों में देश के सख्त पूंजी और मुद्रा नियंत्रण को हटा लेगी। यह बड़ा कदम अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) से मिले नए कर्ज की मदद से उठाया जा रहा है। आर्थिक मंत्री लुइस कापुटो ने एक राष्ट्रीय टेलीविजन संबोधन में कहा कि आईएमएफ के कार्यकारी बोर्ड ने इस सप्ताह पहले घोषित20 अरब डॉलर के बेलआउट पैकेज को मंजूरी दे दी है। यह पैकेज अर्जेंटीना की विदेशी मुद्रा भंडार की गंभीर कमी को पूरा करने के लिए एक महत्वपूर्ण मदद साबित होगा।

नेपाल : राजशाही समर्थक प्रदर्शनों पर दुर्गा गिरफ्तार

काठमांडो, एजेंसी। नेपाल पुलिस ने काठमांडो के तिनकुने में हुए हिंसक प्रदर्शनों में शामिल मुख्य आरोपी दुर्गा प्रसाई को उसके अंगरक्षक के साथ भारत की सीमा से लगे झापा जिले से शुक्रवार को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने कहा, प्रसाई का हाथ राजधानी काठमांडो में 28 मार्च को हुए राजशाही समर्थक प्रदर्शनों में शामिल रहा है। इन प्रदर्शनों में दो लोगों की मौत हो चुकी है। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, प्रसाई को असम में स्थानीय पुलिस ने हिरासत में लिया था और नेपाल पुलिस को सौंप दिया, जो उसे झापा ले आई, जहां उसे औपचारिक रूप से गिरफ्तार कर लिया गया। भारत–नेपाल में कोई प्रत्यर्पण संधि न होने के कारण असम से गिरफ्तारी गोपनीय रखी गई। राजशाही की बहाली और नेपाल को हिंदू राष्ट्र बनाने की मांग को लेकर काठमांडो और देश के कुछ दूसरे हिस्सों में आरपीपी सहित राजशाही समर्थकों ने कई विरोध प्रदर्शन किए हैं। पुलिस ने कई ?लोगों को गिरफ्तार किया है, जिन्हें रिहा करने की मांग देश में बढ़ रही है।

दक्षिण कोरिया के अपदस्थ राष्ट्रपति ने खाली किया अपना आधिकारिक आवास

सियोल, एजेंसी। भारी पुलिस बल की मौजूदगी के बीच बड़ी संख्या में समर्थक और आलोचक आस-पास की सड़कों पर एकत्र हुए। अपदस्थ राष्ट्रपति को मिली-जुली प्रतिक्रियाएँ मिलीं, कुछ लोगों ने महामहिम यूं, हम आपकी भावना के साथ आगे बढ़ेंगे से लेकर यूं सुक योल को मृत्युदंड दो! जैसे नारे लगाए। दक्षिण कोरिया के पूर्व राष्ट्रपति यून सूक येओल शुक्रवार को सियोल में राष्ट्रपति निवास से अपने निजी घर के लिए रवाना हो गए। पिछले साल दिसंबर में मार्शल लॉ लागू करने के बाद उन्हें पद से हटा दिया गया था। यून और उनकी पत्नी 11 कुत्तों और बिल्लियों के साथ दक्षिणी सियोल में निजी अपार्टमेंट में लौट आए। जब ??पूर्व राष्ट्रपति की वैन राष्ट्रपति परिसर के गेट पर पहुंची, तो वे मुस्कुराते हुए बाहर निकले और अपने समर्थकों की ओर हाथ हिलाया। उन्होंने दर्जनों समर्थकों से हाथ मिलाया और गले भी मिले। अपने अपार्टमेंट में पहुंचने के बाद, वह समर्थकों की भीड़ के बीच से धीरे-धीरे आगे बढ़े, उनके नाम के नारे लगाते हुए उनसे हाथ मिलाया, उनकी पत्नी भी उनके पीछे-पीछे चल रही थीं।

भारी पुलिस बल की मौजूदगी के बीच बड़ी संख्या में समर्थक और आलोचक आस-पास की सड़कों पर एकत्र हुए। अपदस्थ राष्ट्रपति को मिली-जुली प्रतिक्रियाएँ मिलीं, कुछ लोगों ने महामहिम यूं, हम आपकी भावना के साथ आगे बढ़ेंगे से लेकर यूं सुक

योल को मृत्युदंड दो! जैसे नारे लगाए। यूं ने एक वीडियो संदेश में अपने समर्थकों के प्रति आभार व्यक्त किया। स्वतंत्र और समृद्ध कोरिया गणराज्य बनाने के लिए अपनी पूरी कोशिश जारी रखेंगे जिसका हमने साथ मिलकर सपना देखा है, दक्षिण कोरिया के औपचारिक नाम का आह्वान करते हुए।

यून रूढ़िवादी जिसने 2022 का चुनाव संकीर्ण रूप से जीता, ने 3 दिसंबर को देर रात टेलीविजन पर मार्शल लॉ की घोषणा की, जिसमें उसने राज्य विरोधी उदारवादियों को मिटाने की कसम खाई, जिन पर उसने अपने एजेंडे को बाधित करने के लिए अपने विधायी बहुमत का दुरुपयोग करने का आरोप लगाया था। उन्होंने विधायी गतिविधियों को निलंबित करने की भी घोषणा की और नेशनल असेंबली को घेरने के लिए सैकड़ों सैनिकों को भेजा, लेकिन सांसदों ने फिर भी कोरम बनाने में कामयाबी हासिल की और मार्शल लॉ लागू होने के कुछ ही घंटों बाद इसे हटाने के लिए मतदान किया।

निर्वासन के खिलाफ अपील करेगा इस्राइल विरोधी महमूद खलील, कोलंबिया विश्वविद्यालय में विरोध का मामला

वॉशिंगटन, एजेंसी। बीते साल कोलंबिया विश्वविद्यालय में इस्राइल विरोधी और फलस्तीन समर्थक विरोध प्रदर्शनों का नेतृत्व करने वाले महमूद खलील को निर्वासित करने का आदेश दे दिया गया है। अब महमूद खलील के वकील ने कहा है कि वे इस आदेश को चुनौती देंगे। संघीय अप्रवासन एजेंट्स ने बीते महीने महमूद खलील को हिरासत में लिया था। उल्लेखनीय है कि महमूद खलील अमेरिका का नागरिक है और उसकी पत्नी, जो गर्भवती है, वह भी अमेरिकी नागरिक है। हिरासत में लिए जाने के बाद महमूद खलील को कोलंबिया से हजारों मील दूर लुइसियाना के जेना में स्थित हिरासत केंद्र में रखा गया है। कोलंबिया विश्वविद्यालय में यहूदी विरोध प्रदर्शन का किया था नेतृत्व खलील कोलंबिया यूनिवर्सिटी में अंतरराष्ट्रीय मामलों का छात्र है। बीते साल जब कोलंबिया यूनिवर्सिटी में गाजा के समर्थन में विरोध प्रदर्शन हुए तो महमूद खलील ने ही इन विरोध प्रदर्शनों का नेतृत्व किया था। विरोध प्रदर्शन के दौरान प्रदर्शनकारियों ने प्रशासनिक ब्लॉक पर कब्जा कर लिया था। जिसके चलते खासा हंगामा हुआ था और पुलिस को कार्रवाई करनी पड़ी थी। प्रदर्शन के दौरान महमूद खलील ने अपना चेहरा नहीं छिपाया और मीडिया से भी बात की, जिससे वह ट्रंप प्रशासन के निशाने पर आ गया। व्हाइट हाउस ने महमूद खलील पर आतंकियों का समर्थन करने का आरोप लगाया है। हालांकि अभी तक ये साबित नहीं हुआ है। 8 मार्च को खलील को पुलिस ने यूनिवर्सिटी परिसर से ही हिरासत में लिया था

होटल संस्थान दक्षिणी राजस्थान की आम सभा एंव वर्ष 2025.27 के चुनाव संपन्न

उदयपुर। होटल संस्थान दक्षिणी राजस्थान की आम सभा होटल अरनिया विलाए समोर बाग उदयपुर पर संपन्न हुई। संस्थान के सचिव राकेश चौधरी ने बताया कि सर्वप्रथम अध्यक्ष द्वारा उदयपुर संभाग से आये हुए सभी सदस्यों का स्वागत किया गया। सचिव द्वारा गत मीटिंग के मिनट्स पढ़े गए एवं सर्वसम्मति से पास किए गए। कोषाध्यक्ष द्वारा लेखा-जोखा प्रस्तुत किया गया जिसे सर्वसम्मति से पारित किया गया। 'चुनाव में लगातार तीसरे कार्यकाल के लिए भी वर्ष 2025-27 हेतु सर्वसम्मति से अध्यक्ष सुभाष सिंह राणावत, उपाध्यक्ष के पी अग्रवाल, सचिव राकेश चौधरी, सहसचिव प्रफुल्ल सिंह कुमावत, कोषाध्यक्ष अंबालाल साहू निर्विरोध चुने गए। सदस्यों द्वारा निर्वाचित कार्यकारिणी को उपरना ओढ़ा कर बधाई दी।' आम सभा में विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गई एवं उनके समाधान हेतु रूप रेखा तय की गई। साथ ही उदयपुर संभाग में पर्यटन कैसे बढ़ाया जाए उस पर भी गहन मंथन किया गया। मीटिंग के अंत में होटल के अच्छे प्रबंधन एवं भोजन हेतु सदस्य वि' म सिंह बोहेड़ा द्वारा उपरना ओढा कर धन्यवाद दिया गया।

ग्रीसः रेलवे कंपनी के दफ्तर के पास बम धमाका, कोई हताहत नहीं

एथेंस, एजेंसी। ग्रीस की राजधानी एथेंस में शुक्रवार को एक बम धमाका हुआ। यह धमाका देश की मुख्य रेलवे कंपनी हेलनिक ट्रेन के दफ्तर के बाहर हुआ। अच्छी बात यह रही कि इसमें किसी के घायल होने की खबर नहीं है। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, धमाके से कुछ देर पहले एक अखबार और एक न्यूज वेबसाइट को एक गुमनाम कॉल आई। कॉल करने वाले ने बताया कि रेलवे कंपनी के दफ्तर के बाहर एक बम रखा गया है और करीब 40 मिनट के अंदर वह फट जाएगा। पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए उस इलाके को चारों तरफ से घेर लिया और आसपास के लोगों, पर्यटकों और दुकानदारों को सुरक्षित जगह भेज दिया। यह इलाका एथेंस की एक व्यस्त सड़क सिंग्रू एवेन्यू पर है, जहां कई रेस्तरां और बार भी मौजूद हैं। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि एक बैग में विस्फोटक सामग्री रखी गई थी और उसे हेलनिक ट्रेन बिल्डिंग के पास छोड़ा गया था। यह धमाका ऐसे समय में हुआ है जब देश में रेलवे को लेकर जनता में पहले से ही आक्रोश फैला हुआ है। फरवरी 2023 में ग्रीस में एक बड़ा रेल हादसा हुआ था। मालगाड़ी और यात्री ट्रेन की टक्कर में 57 लोगों की मौत हो गई थी, जिनमें ज्यादातर छात्र थे जो छुट्टियों के बाद विश्वविद्यालय लौट रहे थे। उस हादसे के दो साल पूरे होने पर लोगों का सरकार और रेलवे के खिलाफ आक्रोश फिर से भड़क उठा है।

मेलबर्न के भारतीय दूतावास में तोड़फोड़: मेन गेट पर लाल पेंट से निशान बनाए, पहले भी दीवारों पर भड़काऊ नारे लिखे जा चुके

कैनबेरा, एजेंसी। मेलबर्न के भारतीय वाणिज्य दूतावास में एक बार फिर तोड़फोड़ की गई है। ऑस्ट्रेलिया टुडे की रिपोर्ट के मुताबिक, गुरुवार रात करीब 1:00 बजे दूतावास के मेन गेट पर लाल रंग से बनाए गए निशान दिखे। घटना के बाद कैनबरा स्थित भारतीय उच्चायोग ने इस मुद्दे को ऑस्ट्रेलियाई अधिकारियों के सामने रखा। इस दूतावास में पहले भी इस तरह की घटनाएं हो चुकी हैं। अंतरराष्ट्रीय तनाव के दौरान पहले भी यहां की दीवारों पर भड़काऊ नारे लिखे गए थे।

पुलिस बोली– लोगों के पास जानकारी हो तो हमें दें : विक्टोरिया पुलिस के प्रवक्ता ने बताया, हमें लगता है कि बुधवार और गुरुवार की रात के बीच किसी समय इमारत के मेन गेट पर किसी ने निशान बनाए हैं। इस नुकसान की जांच अभी जारी है। पुलिस ने अब तक ये नही बताया है कि किसी संदिग्ध की पहचान हुई है या नहीं। उन्होंने लोगों से अपील की है कि अगर किसी के पास इस घटना को लेकर कोई जानकारी हो तो आगे आएं।

भारतीय उच्चायोग ने कहा– सुरक्षा के कदम उठाए : भारतीय उच्चायोग ने शुक्रवार को ङ्ग पोस्ट में लिखा, 'मेलबर्न में भारतीय वाणिज्य दूतावास की दीवारों पर शरारती तत्वों की तरफ से की गई अपमानजनक हरकत को ऑस्ट्रेलियाई अधिकारियों के साथ उठाया गया है। देश में भारतीय राजनयिक और कॉन्सुलेट बिल्डिंग के साथ कर्मचारियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सभी जरूरी कदम उठाए जा रहे हैं।' ऑस्ट्रेलिया का भारतीय समुदाय बोला- ये हमें डराने की कोशिश इस घटना को लेकर भारतीय-ऑस्ट्रेलियाई समुदाय ने चिंता जताई है। समुदाय के लोगों ने बताया कि हिंदू मंदिरों और भारतीय सरकारी इमारतों को लगातार निशाना बनाया जा रहा है। एक भारतीय-ऑस्ट्रेलियाई नागरिक ने कहा, 'यह सिर्फ दीवार बनाए गए निशान नहीं हैं- यह हमारे समुदाय को डराने की एक कोशिश है।' दो साल पहले ऑस्ट्रेलिया में कई मंदिरों को निशाना बनाया गया 2023 में ऑस्ट्रेलिया के कई मंदिरों में तोड़फोड़ की घटना सामने आई थी। ब्रिसबेन में स्थित श्री लक्ष्मी नारायण मंदिर की दीवार को तोड़ दिया गया। साथ ही मंदिर की दीवार पर खालिस्तान के समर्थन और भारत के खिलाफ नारे लिखे गए। इससे पहले मेलबर्न के विक्टोरिया में हिंदू मंदिर पर हमला कर खालिस्तानी नारे लिखे गए थे।

ट्रंप प्रशासन की अप्रवासियों को निकालने की बेरहम योजना, 6000 जीवित लोग मृत घोषित

वॉशिंगटन, एजेंसी। अप्रवासियों को लेकर सख्ती बरत रहे ट्रंप प्रशासन ने छह हजार अप्रवासियों को निर्वासित करने के लिए एक कठोर कदम उठाया है। दरअसल अमेरिकी सरकार ने इन 6000 जीवित अप्रवासियों को मृत घोषित कर उनके सामाजिक सुरक्षा नंबर रद्द कर दिए हैं। इसका असर ये होगा कि ये लोग अब न अमेरिका में काम कर सकेंगे, न ही स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ ले सकेंगे। बैंक खाता खोलने में भी परेशानी होगी। दरअसल सरकार चाहती है कि परेशान होकर अप्रवासी खुद ही अमेरिका छोड़कर अपने-अपने देश लौट जाएं।

अप्रवासियों के लिए बुनियादी सुविधाओं का इस्तेमाल करना होगा असंभव : पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन ने सीबीपी वन एप कार्यक्रम के तहत इन अप्रवासियों को अस्थायी रूप से अमेरिका में प्रवेश करने और अमेरिका में रहकर काम करने की सुविधा दी थी। इन अप्रवासियों को सामाजिक सुरक्षा नंबर भी दिए गए ताकि ये सरकार द्वारा उपलब्ध कराई जा रहीं सुविधाओं का भी लाभ उठा सकें। लेकिन अब ट्रंप प्रशासन ने इन सामाजिक सुरक्षा नंबर्स को रद्द कर दिया है ताकि अप्रवासियों को बैंकों और अन्य बुनियादी सेवाओं का इस्तेमाल करना मुश्किल हो जाए। ट्रंप प्रशासन का यह कदम भी अमेरिका में अप्रवासियों पर नकेल कसने की योजना का हिस्सा माना जा रहा है।

क्या है सीबीपी वन एप कार्यक्रम : बाइडन प्रशासन ने सीमा पार करके अवैध रूप से अमेरिका आने वाले अप्रवासियों को हतोत्साहित करने के लिए सीबीपी वन एप की शुरुआत की थी। इसके जरिए बाइडन प्रशासन ने अवैध अप्रवासन को कानूनी रूप देने की कोशिश की। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, दिसंबर के अंत तक, मेक्सिको से लगती सीमा पार करने पर 936,500 लोगों को सीबीपी वन अपॉइंटमेंट के साथ प्रवेश की अनुमति दी गई थी। इसमें अप्रवासियों को बायोमीट्रिक पहचान के जरिए अमेरिका में दो साल तक रहने और काम करने की सुविधा दी गई। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने पदभार ग्रहण करने के पहले दिन ही सीबीपी वन एप के जरिए प्रवेश को बंद कर दिया था।

50 वर्षों में पहली बार, 6,700 से ज्यादा सिख पहुंचे पाकिस्तान

इस्लामाबाद, एजेंसी। संस्कृति और लोककथाओं के उत्सव में बैसाखी मेला उत्सव में भाग लेने और खालसा पंथ का स्मरण करने के लिए 6,700 से अधिक सिख तीर्थयात्री गुरुवार को वाघा सीमा के माध्यम से भारत से पाकिस्तान पहुंचे। 50 वर्षों में यह पहली बार है कि पाकिस्तान सरकार ने भारतीय सिख तीर्थयात्रियों को 6,751 वीज़ा जारी किए हैं। पाकिस्तान सरकार ने पाकिस्तान के धार्मिक मामलों के मंत्रालय और इवैक्यूई ट्रस्ट प्रॉपर्टी बोर्ड (ईटीपीबी) के विशेष अनुरोध पर 3,751 अतिरिक्त वीज़ा दिए हैं। आमतौर पर, पाकिस्तान-भारत धार्मिक प्रोटोकॉल समझौते 1974 के तहत किसी भी धार्मिक त्यौहार के लिए 3,000 सिख तीर्थयात्रियों को पाकिस्तान जाने की अनुमति है।

खालसा की 326वीं स्थापना वर्षगांठ : बैसाखी का त्यौहार सिखों के नए साल का प्रतीक है और गुरु गोविंद सिंह के नेतृत्व में खालसा पंथ (संत-योद्धाओं) के गठन की याद दिलाता है। मुख्य समारोह 14 अप्रैल को गुरुद्वारा जन्मस्थान ननकाना साहिब में आयोजित किया जाएगा। सिख तीर्थयात्रियों का स्वागत पाकिस्तान के अंतरधार्मिक सद्भाव राज्य मंत्री खेल दास कोहिस्तानी, पाकिस्तान सिख गुरुद्वारा प्रबंधक समिति के अध्यक्ष और पंजाब अल्पसंख्यक मंत्री सरदार रमेश सिंह अरोड़ा, ईटीपीबी सचिव फरीद इकबाल और अतिरिक्त सचिव सैफुल्लाह खोखर ने वाघा सीमा चेक पोस्ट पर किया।

सिख नेताओं ने पाकिस्तान सरकार को धन्यवाद दिया : गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के नेता दलजीत सिंह सरना ने वाघा बॉर्डर पर पत्रकारों से बात करते हुए पहली बार इतनी बड़ी संख्या में तीर्थयात्रियों को वीजा जारी करने के लिए पाकिस्तान सरकार को धन्यवाद दिया और कहा कि इसने सिख समुदाय का दिल जीत लिया है। बैसाखी के त्यौहार में भाग लेने के लिए पाकिस्तान पहुंचने वालों में अमृतसर, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, दिल्ली और 11 अन्य भारतीय राज्यों के लोग शामिल थे।

सिंगापुर सरकार ने 4 भारतीयों को किया सम्मानित, जान जोखिम में डालकर बचाई थी बच्चों-वयस्कों की जिंदगी

सिंगापुर, एजेंसी। सिंगापुर सरकार ने चार भारतीय प्रवासी कामगारों को आग से जलते एक शॉपहाउश से बच्चों और वयस्कों की जान बचाने के लिए सम्मानित किया है। इस हादसे में कुल 16 बच्चे और छह वयस्क फंसे हुए थे।

ये चार बहादुर भारतीय इंदरजीत सिंह, सुब्रमण्यन शरणनराज, नागराजन अंबरासन और सिवासामी विजयाराज हैं। इन सभी को सिंगापुर के श्रम मंत्रालय के एसीई (आश्वासन, देखभाल और सहभागिता) ग्रुप की ओर से फ्रेंड्स ऑफ एसीई सम्मान दिया गया, जो प्रवासी कामगारों की भलाई के लिए काम करता है।

क्या हुआ था : आठ अप्रैल की सुबह जब इन कामगारों ने पास की इमारत से बच्चों की चीखें सुनीं और धुआं निकलते देखा, तो वे तुरंत हरकत में आ गए। उन्होंने अपने निर्माण स्थल से मचान और सीढ़ी उठाई और सामने की इमारत में फंसे बच्चों को बचाने पहुंच गए। यह शॉपहाउस बच्चों के लिए कुकिंग कैंप चलाता है।

किस तरह बचाया : कामगारों ने बच्चों को खिड़की के बाहर की मुंडेर पर खड़ा किया गया। इसके बाद मानव श्रृंखला बनाकर बच्चों को एक-एक कर नीचे सुरक्षित उतारा। उन्होंने अपनी जान की परवाह किए बिना सुरक्षा उपकरण के ही उन्हें बचाया। सिर्फ 10 मिनट में उन्होंने सिंगापुर सिविल डिफेंस फोर्स (एससीडीएफ) के पहुंचने से पहले ही 10 बच्चों की जान बचा ली थी।

कामगारों ने क्या कहा : तमिलनाडु के रहने वाले सुब्रमण्यन शरणराज ने कहा, हमारे भी बच्चे हैं। अगर हमारे बच्चे फंसे होते तो क्या हम चुपचाप देखते रहते? उनके साथी नागराजन अंबरासन ने भी कहा,जब बच्चों को तकलीफ में देखा तो हमसे सहन नहीं हुआ। हादसे में एक बच्ची की मौत दुर्भाग्यवश, आग में झुलसी एक 10 साल की ऑस्ट्रेलियाई बच्ची की अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई।

आग कैसे लगी : आग तीन मंजिला शॉपहाउस (ग्राउंड फ्लोर पर दुकान और ऊपर मकान) के दूसरे माले पर बने एक स्टोरेज एरिया से शुरू हुई थी। जांच में पता चला कि इमारत में फायर सेफ्टी के कई नियमों का उल्लंघन किया गया था, जैसे कि बिना अनुमति के अंदर दीवारें खड़ी करना। इस शॉपहाउस की केवल पहली मंजिल ही बच्चों के उपयोग के लिए थी, जबकि ऊपर की दो मंजिले और अटारी सिर्फ आवासीय उपयोग के लिए थे।

लकड़ी कैसे पचा लेती है दीमक?

पेड़-पौधों में पाया जाने वाला सेलुलोज ही दीमक का भोजन होता है। इसलिए वे तमाम चीजें दीमक का भोजन होती हैं जिनमें सेलुलोज होता है। बहुत सी सूखी लकड़ी पर तुमने दीमक का घर बना देखा होगा। लकड़ियों के बने फर्नीचर, कॉपी-किताबों जैसी बहुत सी चीजों को दीमक चट कर जाती है और फिर वह सामान किसी काम का नहीं रह जाता। दीमक जो सेलुलोज भोजन के रूप में प्राप्त करती है उसे पचा पाने की क्षमता उसमें नहीं होती है। इसे पचाने के लिए दीमक को दूसरे जीव की मदद लेना पड़ती है। ये दूसरे जीव प्रोटोजोआ कहलाते हैं, जो दीमक की आँतों में रहते हैं। दोनों के बीच सहभागिता का रिश्ता होता है। दीमक लकड़ी को चबाकर निगल जाती है और आँतों में रहने वाले प्रोटॅजोअंस इस लकड़ी की लुगदी को भोजन में बदल देते हैं। इस भोजन से ही दोनों जीव अपना जीवन चलाते हैं। दीमक पर्यावरण में सफाईगार की भूमिका निभाती है पर कई बार यह कीमती सामान को खराब करके नुकसानदायक भी साबित होती है। दीमक समूह में रहती है और भोजन तलाशने में एक-दूसरे की मदद भी करती है। ये चींटियों से मिलती-जुलती लगती हैं। इसलिए इन्हें 'व्हाइट एंट' भी कहा जाता है। आकार के अलावा चींटियों से इनकी कोई समानता नहीं होती।

जानो स्पेस सूट के बारे में

बच्चो, आप लोगों ने सुनीता विलियम्स के बारे में जरूर सुना होगा। सुनीता विलियम्स ने अंतरिक्ष में छह महीने तक रहने और सबसे लंबी स्पेस वॉक करने का रिकार्ड बनाया है। आप ने टेलीविजन चैनल और समाचार-पत्रों में सुनीता विलियम्स और अन्य अंतरिक्ष यात्रियों की तस्वीरें देखी होंगी। आपने देखा होगा अंतरिक्ष यात्री हमेशा एक खास तरह की ड्रेस पहनते हैं। एक मोटा सा सूट और उस पर हैलमेट और ऑक्सीजन मास्क भी लगा रहता है। अंतरिक्ष में जाने के बाद अंतरिक्ष यात्रियों को यहीं सूट पहनना पड़ता हैं। इसे स्पेस सूट कहते है। इस स्पेस सूट को पहने बगैर अंतरिक्ष में रहना संभव नहीं होता है। स्पेस सूट की वजह से ही अंतरिक्ष के प्रतिकूल माहौल में अंतरिक्ष यात्री जीवित रह पाते हैं। इस स्पेस सूट को तैयार करने के लिए भी वैज्ञानिकों ने बहुत मेहनत और शोध किया हैं। यह सूट उस कपड़े से नहीं बना होता है, जिसे हम और आप पहनते हैं। नासा के वैज्ञानिक अंतरिक्ष की स्थितियों का आँकलन करने के बाद अंतरिक्ष यात्रियों के लिए इस सूट को तैयार करते हैं। 'हार्ड अपर टोर्सो' नामक पदार्थ का इस्तेमाल करते हुए अंतरिक्ष यात्रियों के सूट तैयार किये जाते हैं। इस सूट को पहनने के बाद हमारे शरीर का तापमान और बाहरी वातावरण से शरीर पर पड़ने वाला दबाव नियंत्रित रहता है। इसके साथ ही यह सूट इस तरह से बनाया जाता है कि यह अंतरिक्ष में मौजूद हानिकारक किरणों से हमारे शरीर को बचाने के लिए कवच का काम करे। इस सूट के अंदर ही एक लाइफ सपोर्टिंग सिस्टम होता है, जिससे अंतरिक्ष यात्रियों को शुद्ध ऑक्सीजन प्राप्त होती है। इस सूट के अंदर गैस और द्रव पदार्थो को रीचार्ज और डिस्चार्ज करने की व्यवस्था भी होती है। इस सूट में ही अंतरिक्ष यात्री वहाँ से एकत्रित किये गए, ठोस कणों को सुरक्षित रख सकते हैं।

पैंगुइन उड़ क्यों नहीं पाते हैं?

ऑस्ट्रिच और इमू की तरह पैंगुइन भी पंख होने के बावजूद उड़ते नहीं हैं। कहते हैं आज से ६५0 लाख साल पहले पैंगुइन के पूर्वज उड़ पाते थे और धीरे-धीरे उनकी यह क्षमता खत्म हो गई। पैंगुइन के पूर्वज समुद्र के ऊपर उड़ते थे और भोजन की तलाश में समुद्र में डाइव लगाते थे। लाखों सालों पहले पैंगुइन की हड्डियाँ पक्षियों की तरह ही हल्की होती थीं और वे उड़ पाते थे, पर समय के साथ उनकी हड्डियाँ भारी हो गईं और वजन बढ़ जाने से उनका खुद को हवा में उठाना नामुमकिन हो गया। हालाँकि इन्हीं हड्डियों के कारण पैंगुइन अब पानी में डाइव बेहतर तरीके से लगा पाते हैं।

समुद्र में पायी जाने वाली विचित्र मछलियां

धरती के 70 प्रतिशत भाग में फैला हुआ सागर पृथ्वी की जलवायु को संतुलित रखने, भोजन और ऑक्सीजन प्रदान करने, जैव विविधता बनाये रखने और परिवहन के क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। वैज्ञानिकों के मतानुसार धरती पर प्रारंभिक जीवन सागर से ही प्रारम्भ हुआ था और चरणबद्ध विकास के फलस्वरूप यह धरती पर भी पनपने लगा और वर्तमान में उपलब्ध जैव विविधताओं का कारण बना।

वाइपर फिश

बेहद गहरे पानी और उच्च दबाव वाले क्षेत्र में रहने वाली यह मछली देखने में काफी डरावनी लगती है। बेहद कठिन परिस्थितियों में रहने के कारण यह बहुत कम खाने पर भी लम्बे समय तक जिन्दा रह सकती है। इसके पास से गुजरने वाले किसी भी शिकार का इसके नुकीले दांतों से बचना नामुमकिन ही है।

सिलिकेन्थ

प्रागैतिहासिक युग के प्राणियों के सामान दिखने वाली यह मछली एक जीवित जीवाश्म ही है। वैज्ञानिकों के अनुसार यह ७ करोड़ वर्ष पहले मिलने वाली मछलियों की संरचना से काफी मिलती है।

इलेक्ट्रिक ईल

समुद्र में पायी जाने वाली यह ईल प्रजाति की मछली आकार में २ मीटर तक लम्बी और २0 किलो तक वजनी हो सकती है। यह ६00 वोल्ट का तेज विद्युतीय झटका दे सकती है। वैज्ञानिकों के अनुसार यह अपने विद्युत का इस्तेमाल रास्ता खोजने में भी कर सकती है।

मिस्ट्री शार्क

दुनिया के सबसे गहरे समुद्री क्षेत्र के रूप में विख्यात मरियाना ट्रेंच में पाई जाने वाली यह अत्यंत दुर्लभ शार्क की तस्वीर है। यह एक प्रागैतिहासिक जीव है जिसे सबसे पहले जापानी वैज्ञानिकों ने देखे जाने का दावा किया था।

स्टोनफिश

हिन्द महासागर और पश्चिमी प्रशांत महासागर में पाई जाने वाली यह मछली एकदम पत्थर की तरह समुद्र की सतह पर निष्क्रिय पड़ी रहती है। जैसे ही कोई शिकार इसके पास आता है यह झपटकर उसे पकड़ लेती है। यह एक जहरीली मछली है और इसका शिकार हृदयाघात से बेहद दर्दनाक मौत मरता है।

स्टार गैजेर्स

यह समुद्र में पायी जाने वाली एक जहरीली मछली है। यह खुद को रेत में अच्छी तरह छुपा लेती है और जैसे ही शिकार इसके पास आता है तेजी से झपट्टा मारकर उसे पकड़ लेती है। अन्य मछलियों के विपरीत इसकी ऑंखें सामने की ओर होती हैं।

पफर फिश

पफर फिश अपने नाम के अनुसार खतरा महसूस होने पर ढेर सारा पानी अपने लचीले पेट में भरकर अपना आकार बढ़ा लेती है जिससे शिकार कंफ्यूज हो जाता है और यह मौके का लाभ उठाकर बच निकलती है। यह भी एक जहरीली मछली है।

फ्रिल्ड शार्क

बहुत गहरे पानी में पायी जाने वाली यह शार्क की अत्यंत दुर्लभ प्रजाति है जिसे देखने मात्र से ही भय उत्पन्न होता है। यह पत्थर की बनी हुई दिखती है और एक जीवित जीवाश्म है।

वैम्पायर स्क्विड

यह गहरे पानी में पाया जाने वाला एक प्रकार का स्क्विड ही है जिसने अपने आप को गहरे पानी के अनुकूल ढाल लिया है। यह अँधेरे में बल्ब के सामान चमकीली संरचनाओं से प्रकाश उत्पन्न करता है। खतरा महसूस होने की स्थिति में यह चमकीली स्याही छोड़ता है जिससे शिकारी चौंक जाता है और यह मौके का लाभ उठाकर बच निकलता है।

बिगफिन स्क्विड

स्क्विड प्रजाति से सम्बन्ध रखने वाला यह जीव गहरे पानी में पाया जाता है। यह स्क्विड आकार में १६ फीट तक लम्बा हो सकता है।

मड स्किपर

यह ऐसे समुद्र तटीय क्षेत्रों में रहती है जहाँ ज्वार और भाटा निरंतर आता रहता है। यह खारे पानी और जमीन दोनों पर रह सकती है। यह एम्फीबियन प्रजाति की तरह ही त्वचा से साँस ले सकती है।

एंगलर फिश

लगभग सभी महासागरों में पाई जाने वाली यह मछली आकार में १ मीटर तक लम्बी हो सकती है। इसके सर पर चारे के सामान संरचना होती है जिसे यह जब हिलाती है तो जीवन के लिए संघर्ष करते हुए चारे के सामान प्रतीत होता है जिससे दूसरी मछलियां आकर्षित होती हैं और इसका आसान शिकार बन जाती हैं।

हैमर हेड शार्क

देखने में किसी दूसरी दुनिया के जीव सी लगने वाली यह शार्क सामान्य रूप से दुनिया भर के महासागरों में पाई जाती है। इसकी ऑंखें शरीर से बहुत दूर होती हैं जो इसे ज्यादा क्षेत्र तक देखने में सक्षम बनाती हैं।

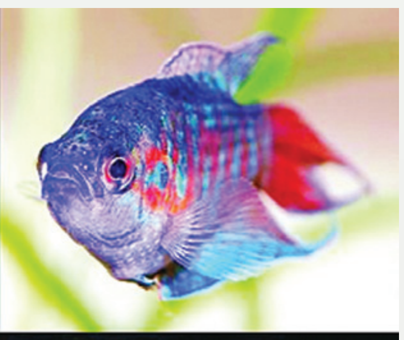

अमेरिका में राष्ट्रपतियों की याद को समर्पित स्मारक माउंट रशमोर

माउंट रशमोर अमेरिका में राष्ट्रपतियों की याद को समर्पित एक स्मारक है। यह 60 फुट या 18 मीटर लंबी रचना है जिसमें भूतपूर्व राष्ट्रपतियों जार्ज वाशिंगटन, थॉमस जैफरसन, थियोडोर रूजवेल्ट और अब्राहम लिंकन को अंकित किया गया है।

यह स्मारक 1,278 एकड़ में फैला हुआ है। इसकी देखरेख नेशनल पार्क सेवा द्वारा की जाती है जो संयुक्त राज्य अमेरिका के आंतरिकी विभाग का ब्यूरो है। इस स्मारक को वर्ष में लगभग 2 मिलियन लोग देखने आते हैं। पर्वत पर बनाए गए इस स्मारक को लकोटा सिउक्स भी कहा जाता है क्योंकि इसमें छह राष्ट्रपतियों मूर्तियाँ उकेरी गई हैं। बाद में इसका नाम न्यूयार्क के एक जाने-माने वकील चार्ल्स ई रशमोर के नाम पर रखा गया। असल में रशमोर पर्वत में इस तरह की कलाकृति उकेरने का उद्देश्य दक्षिणी डकोटा की ब्लैक हिल्स में पर्यटकों का आकर्षण बढ़ाना था। कॉंग्रेस के प्रतिनिधि मंडल और राष्ट्रपति केल्विन कूलिज के बीच लंबे समझौते के बाद यह प्रोजेक्ट प्रारंभ हो पाया। मूर्तिकार गुट्ज़न बोर्गलम के निर्देशन में 1927 में काम शुरु हुआ और 1941 में बनकर तैयार हुआ।

दक्षिण व मध्य अमेरिका में पाया जाने वाला एक स्तनधारी प्राणी जाइंट एंटइटर

इस घने बाल वाले प्राणी को एंट बियर भी कहते हैं। यह अपनी लंबी थूथन से कीटों को खाता है। इसकी सूंघने की शक्ति मनुष्य से 40 गुना अधिक होती है। यह अपनी जीभ को 18 इंच तक तेजी से बाहर निकाल सकता है। जाइंट एंटइटर दक्षिण व मध्य अमेरिका में पाया जाने वाला एक स्तनधारी प्राणी है जो अपने विचित्र मुख-आकार, थूथन और अपनी पतली व लम्बी जीभ से केवल चींटी, दीमक और अन्य छोटे कीट खाने के लिये प्रसिद्ध है। चींटीखोरों की चार जातियाँ पाई जाती हैं: सिर-से-पूँछ तक १.८ मी (५ फुट ११ इंच) लम्बा विशाल चींटीखोर, केवल ३५ सेमी (१४ इंच) लम्बा रेशमी चींटीखोर, १.२ मी (३ फुट ११ इंच) लम्बा उत्तरी तामान्दुआ और लगभग उतना ही लम्बा दक्षिणी तामान्दुआ। चींटीखोर पिलोसा नामक जीववैज्ञानिक गण में शामिल हैं जिसमें स्लॉथ भी आते हैं, यानि स्लॉथों और चींटीखोरों का आनुवंशिक (जेनेटिक) सम्बन्ध है।

वॉल मैगजीन

गर्मी की छुट्टियां खत्म हो गई थीं। सभी बच्चों के स्कूल खुल गए थे। सरगुन आठवीं कक्षा में पढ़ती थी। एक दिन असेम्बली में स्कूल की प्रिंसिपल स्वाति कपूर बोलीं, 'बच्चो, तुम सबके लिए एक बहुत अच्छी खबर है। तुम सभी ने गर्मी की छुट्टियों में बहुत कुछ नया सीखा होगा। तुम सब अपने माता-पिता के साथ घूमने भी गए होंगे। मैं चाहती हूं कि तुम सब अपने अनुभवों पर आधारित एक प्रोजेक्ट बनाकर जमा करो और जिसका प्रोजेक्ट सर्वश्रेष्ठ होगा, उसे इनाम दिया जाएगा।' यह सुनकर सभी बच्चे खुशी से उछल पड़े।

प्रिंसिपल ने बच्चों को सिर्फ एक सप्ताह का समय दिया था। सभी बच्चे अपने-अपने तरीके से प्रोजेक्ट बनाने की तैयारियों में जुट गए।

अचानक सरगुन की क्लास की सबसे चंचल और सुंदर लड़की गौरी बोली, 'हम सब तो कुछ न कुछ नया कर ही लेंगे, पर बेचारी सरगुन कैसे करेगी? इसके दाएं हाथ में तो केवल तीन.।' उसकी बात पूरी होती, उससे पहले ही सरगुन की बेस्ट फ्रेंड अर्निका बोली, 'गौरी, तुम्हें ऐसा नहीं बोलना चाहिए। देख लेना, सरगुन ही सबसे नई और उपयोगी वस्तु खोजेगी और तुम देखती रह जाओगी।' उसकी बात सुनकर गौरी ने मुंह चिढ़ा दिया और अपनी सीट पर बैठ गई ।

गौरी अक्सर सरगुन का मजाक उड़ाती थी। सरगुन के दाएं हाथ में केवल तीन उंगलियां थीं। उसकी दो उंगुलियां दो साल पहले एक एक्सीडेंट में बुरी तरह मसल गई थीं, इसलिए अब उसके दाएं हाथ में केवल तीन उंगलियां रह गई थीं।

शुरुआत में सरगुन को अपना काम करने में थोड़ी परेशानी हुई, लेकिन फिर धीरे-धीरे उसे आदत पड़ गई। अब तो उसे ऐसा महसूस ही नहीं होता था कि उसकी दो उंगलियां नहीं हैं। सभी बच्चे अपना-अपना प्रोजेक्ट बनाने में लगे हुए थे।

प्रिंसिपल ने बच्चों को ग्रुप में प्रोजेक्ट बनाने की अनुमति दे दी थी, इसलिए सरगुन, अर्निका और कुछ अन्य छात्रों के साथ अपना प्रोजेक्ट बनाने में लगी हुई थी। किसी ने भी अपने प्रोजेक्ट की खबर किसी को नहीं होने दी थी। प्रोजेक्ट जमा कराने से एक दिन पहले सभी बच्चे इस बात को लेकर आश्वस्त थे कि उनका प्रोजेक्ट ही बेस्ट होगा। अगले दिन अचानक तेज बारिश होने लगी। सभी बच्चे स्कूल बड़ी मुश्किलों से अपने-अपने प्रोजेक्ट लेकर पहुंचे। स्कूल पहुंचकर सभी ने अपने-अपने प्रोजेक्ट निकाले। गौरी ने अपने सुंदर चित्रों से तैयार किए गए प्रोजेक्ट को निकाला तो यह देखकर उसके होश उड़ गए कि सारे चित्रों में न जाने कैसे पानी की बूंदें पड़ गई थीं। केवल दो-तीन चित्र ही साफ बचे थे, बाकी सभी में बड़े-बड़े धब्बे बन गए थे। यह देखकर गौरी खुद पर काबू नहीं रख पाई और रोने लगी। उसके रोने पर किसी का ध्यान नहीं गया। सभी अपने प्रोजेक्ट को सजाने-संवारने में जुटे थे।

अचानक सरगुन ने उसके कंधे पर हाथ रखा और बोली, 'गौरी, तुम्हें परेशान होने की जरूरत नहीं है। तुम मेरे ग्रुप में शामिल हो जाओ । इससे तुम्हारे मार्क्स नहीं कटेंगे।' यह सुनकर गौरी को थोड़ी सांत्वना मिली। उसने अपने साफ चित्र सरगुन को देते हुए कहा, 'मेरे पास तो केवल ये हैं, तुम इन्हें अपने प्रोजेक्ट में कहीं प्रयोग कर सको तो अच्छा होगा।' सरगुन बोली, 'बिल्कुल गौरी, तुम्हारे चित्र मेरे प्रोजेक्ट को और सुंदर बना देंगे।' इसके बाद गौरी सरगुन के ग्रुप में शामिल हो गई। सभी बच्चों ने अपने-अपने प्रोजेक्ट जमा करा दिए।

आखिर परिणाम का दिन भी आ गया। सभी बच्चे असेम्बली में खड़े हुए थे और बेसब्री से परिणाम का इंतजार कर रहे थे। अचानक मंच पर प्रिंसिपल आईं और बोलीं, 'सभी बच्चों ने एक से बढ़कर एक प्रोजेक्ट बनाए हैं। लेकिन पुरस्कार तो किसी एक को ही दिया जाना था, इसलिए इस बार आठवीं कक्षा के प्रोजेक्ट 'वॉल मैगजीन' को पुरस्कार के लिए चुना गया है। इस प्रोजेक्ट की ग्रुप हेड सरगुन है और उसके ग्रुप में अर्निका, गौरी, काव्या, तन्मय व गौरांश शामिल हैं। इस मैगजीन में सामान्य ज्ञान की बातों के साथ ही कहानी, कविता, चित्रों, पहेलियों, चुटकुलों और अन्य मनोरंजक जानकारियों को भी नए तरीके से पेश किया गया है। हमने निर्णय लिया है कि स्कूल की पत्रिका में इस सामग्री को डाला जाएगा और इन सभी बच्चों को उसके सम्पादन मंडल में शामिल किया जाएगा।' यह सुनकर सरगुन के साथ ही पूरा ग्रुप उछल पड़ा। इस समय सबसे भावुक गौरी थी। वह तुरंत उठकर सरगुन के पास गई और उसके गले लगते हुए बोली, 'सरगुन, अगर तुम मेरी मदद नहीं करतीं तो मैं मदद का मूल्य कैसे जान पाती? अब मैं कभी भी किसी का मजाक नहीं उड़ाऊंगी, हर किसी की मदद करूंगी।' सरगुन गौरी के हाथ में हाथ डालकर बोली, 'गौरी अभी तो स्कूल मैगजीन को ऊंचाइयों पर ले जाना है और तुम्हारे बनाए सुंदर चित्रों के बिना यह मुश्किल है।' इसके बाद पूरा ग्रुप एकसाथ अपनी जीत की खुशी मनाने लगा ।

स्वत्वाधिकार प्रकाशक, संपादक संजय कुमार चौबीसा द्वारा 20ए न्यू विद्यानगर हिरण मगरी सेक्टर 4 उदयपुर 313002 (राज.) से प्रकाशित एवं मुद्रक विजय अरोड़ा द्वारा मैसर्स न्यूट्रेक ऑफसेट एवं प्रिंटर्स 13, भोपा मगरी, हिरण मगरी सेक्टर-3 उदयपुर से मुद्रित। फोन : 9024464356 Mail- Palpalrajasthan8@gmail.com

पल पल राजस्थान

हर पल की खबर

➲ प्रदेश का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक

पल पल राजस्थान

वर्ष : 2 | RAJHIN/2021/81855 | कुल पृष्ठ : 4 | मूल्य : 5 रु. | हर पल की खबर

facebook

https://www.facebook.com/palpalrajasthannews/

YouTube

https://www.youtube.com/channel/UC7p9DxdST-1wvxPMtFiPOQNw

Instagram

instagram.com/pal-palrajasthannews

Gmail

palpalrajasthan8@gmail.com

Whatsaap No.

9024464356, 9001259073, 96729 79379